संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-23 अंक- 46
पृष्ठ 8
रविवार
01 नवम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- शरीर में आयरन की कमी होने...

विचार- विधान परिषद चुनाव नतीजों के संकेत

खेल- कगिसो रबाडा का धमाका...

सरदार पटेल जयंती : सीएम योगी बोले

मिलकर करना होगा जातिवाद और जिन्नावाद का मुकाबला

लौहपुरुष के विराट व्यक्तित्व को प्रदर्शित करती है उनकी प्रतिमा

सीएम योगी ने कहा कि भारत मां के महान सपूत सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म गुजरात के छोटे से गांव करमसद (नाडियाड) में हुआ था। लौहपुरुष की स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने के लिए पीएम मोदी ने दुनिया की सबसे बड़ी प्रतिमा गुजरात के केवडिया में नर्मदा नदी के तट पर सरदार सरोवर पर स्थापित कराई है, यह प्रतिमा लौहपुरुष के विराट व्यक्तित्व को प्रदर्शित करती है।

अब यूपी में कोई युवा नहीं रहेगा बेरोजगार

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार द्वारा लौहपुरुष सरदार पटेल की स्मृतियों को जीवंत बनाए रखने के लिए आज हर जनपद में एक इंप्लायमेंट व इंडस्ट्रियल जोन के गठन की कार्रवाई का भी शुभारंभ कर रही है। अब यूपी में कोई युवा बेरोजगार नहीं रहेगा। उसकी स्किलिंग, रोजगार के लिए सरकार व्यवस्थित तरीके से कार्यक्रम को बढ़ा रही है।

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लौहपुरुष की जयंती पर समाज को बांटने वाली ताकतों पर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता को तब खतरा होता है, जब हम जाति, क्षेत्र के नाम पर बंटते और कमजोर होते हैं। जब शरीर की प्रतिरोधक क्षमता समाप्त हो जाती है, तब बीमारी होती है। जातिवाद, क्षेत्रवाद, भाषावाद वही बीमारी है, जो समाज की प्रतिरोधक क्षमता को कमजोर करती हैं और फिर आक्रांताओं को हमला करने के लिए आमंत्रित करती हैं। लौहपुरुष का अनुयायी वही हो सकता है जो भारत की एकता, सुरक्षा को सर्वोपरि रखता है। जिन्ना को आदर्श मानने, समाज को बांटने वाले विभाजनकारी लोग वल्लभ भाई पटेल के सच्चे अनुयायी नहीं हो सकते।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लौहपुरुष 'भारत रत्न' सरदार वल्लभ भाई पटेल की 151वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में लिया हिस्सा लिया। उन्होंने जीपीओ स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर राष्ट्रीय एकता दिवस पर लोगों को शपथ दिलाई। सीएम ने कहा कि यह शपथ सरदार पटेल की उस भावना का प्रतिनिधित्व करता है, जिसके लिए उन्होंने जीवन जिया। मुख्यमंत्री ने सरदार वल्लभ भाई पटेल को भारत गणराज्य का शिल्पी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रखर राष्ट्रवादी नेतृत्वकर्ता बताया।

मुख्यमंत्री ने कहाकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर 2014 के बाद से 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में अनवरत आयोजित किया जाता है। इसमें राष्ट्रीय एकता की शपथ, राष्ट्रीय एकता दौड़ समेत लौहपुरुष के आदर्शों को ध्यान में रखते हुए रचनात्मक कार्यों के साथ समाज को जोड़ने का अभियान बढ़ाया जाता है।

पीएम पहुंचे स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, लौहपुरुष को दी श्रद्धांजलि, कहा

उनका योगदान प्रेरणादायक

पीएम बोले- देश के लिए प्रेरणास्रोत हैं सरदार पटेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर देश भर में शनिवार यानी आज राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार सुबह गुजरात में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पहुंचकर सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान वह स्टैच्यू ऑफ यूनिटी क्षेत्र में 426.71 करोड़ रुपये की लागत वाली पर्यटन और बुनियादी ढांचे से जुड़ी 31 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर नई दिल्ली स्थित पटेल चौक में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक्स पर श्रद्धांजलि दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, अखंड भारत के प्रणेता देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी जयंती पर सादर नमन। उन्होंने एक सशक्त, समृद्ध और समर्थ भारत के निर्माण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। मां भारती की सेवा में उनका त्याग और समर्पण विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए बहुत बड़ा प्रेरणास्रोत है।

वहीं, दिल्ली के पटेल चौक पर हुए कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी पुष्पांजलि अर्पित की। लोकसभा सांसद बांसुरी स्वराज भी मौजूद रहीं और उन्होंने भी पुष्पांजलि अर्पित की।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा, श्कई वर्षों तक भारत ने सरदार साहब को उनके योगदान के लिए वह सम्मान नहीं दिया, जिसके वे वास्तव में हकदार थे। कांग्रेस पार्टी ने हमेशा सरदार साहब की स्मृतियों को मिटाने की कोशिश की है। हालांकि, सूरज की चमक को छिपाया नहीं जा सकता।

उन्होंने कहा, श्जब नरेंद्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री बने, तो उन्होंने श्स्टैच्यू ऑफ यूनिटीश का निर्माण कराकर सरदार साहब की विरासत को पूरे देश के सामने मजबूती से स्थापित किया। यह विशाल प्रतिमा आसमान की ऊंचाइयों को छूती है।

सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्म 31 अक्तूबर 1875 को गुजरात के नडियाद में हुआ था। वे भारत के प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी, वकील और राजनेता थे।

इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि : राहुल गांधी ने साझा की दादी की गोद में बैठने की तस्वीर, कहा

दादी ने दिया खास तोहफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपनी दादी और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर, कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को उपनिषदों के एक ऐसे श्मंत्रश को याद किया, जिसे उन्होंने बचपन में राहुल से दोहराने के लिए कहा था। राहुल ने इसे अपनी दादी की ओर

से मिला एक श्खूबसूरत तोहफाश बताया। राहुल गांधी ने शक्ति स्थल 1, सफदरजंग रोड स्थित इंदिरा गांधी के स्मारक पर जाकर उन्हें पुष्पांजलि भी अर्पित की। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने लिखा, श्आपकी गोद में बैठा हूं। आपके दोनों हाथ थामे हुए हूं। आपकी आवाज में ये शब्द सुन रहा हूं। आपके पीछे-पीछे इन्हें दोहरा रहा हूं।

मॉक संसद : मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विपक्ष का जन महाभियोग, खरगे बोले

वोट का अधिकार खतरे में

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इंडिया ब्लॉक ने प्रतीकात्मक जन महाभियोग कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के सीधे निर्देशों पर आयोग चला रहे हैं। खरगे ने कहा कि देश में अब लोगों के वोट देने के अधिकार पर खतरा पैदा हो रहा है। विपक्ष का कहना है कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था को निष्पक्ष रहकर काम करना चाहिए, लेकिन मौजूदा हालात में उसकी भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। इस कार्यक्रम में लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष और

कांग्रेस नेता मीरा कुमार भी मौजूद रहीं। उन्होंने बताया कि इंडिया ब्लॉक ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए राज्यसभा में महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा है।

खरगे ने कहा कि सात महीने पहले विपक्ष के 193 सांसदों ने संसद के दोनों सदनों में मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव दिया था, लेकिन उनके नोटिस खारिज कर दिए गए और उन पर कोई विचार नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि आज का यह कार्यक्रम किसी व्यक्ति के खिलाफ निजी लड़ाई नहीं है, बल्कि एक संवैधानिक संस्था की गरिमा बचाने की कोशिश है। खरगे के मुताबिक, विपक्ष चाहता है कि चुनाव आयोग संविधान की भावना के अनुरूप निष्पक्ष तरीके से काम करे और आम नागरिकों का उस पर भरोसा बना रहे। उन्होंने चिंता जताई कि कमजोर वर्गों, महिलाओं और युवाओं के नाम कंप्यूटर के जरिये मतदाता सूची से चुपचाप हटाए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी नागरिक का वोट देने का अधिकार खत्म नहीं होना चाहिए।

लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष मीरा कुमार ने कहा कि इंडिया ब्लॉक की बैठक बुलाकर ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए महाभियोग प्रस्ताव लाने का फैसला किया गया है। उन्होंने बताया कि यह प्रस्ताव राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे की ओर से पेश किया जाएगा। इसके बाद खरगे इस मामले पर बयान भी देंगे। मीरा कुमार ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और एशिया, अफ्रीका तथा दक्षिण अमेरिका के कई देश भारतीय लोकतंत्र के मॉडल को देखते हैं।

एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित बने नए वायुसेना प्रमुख

संभाली कमान, अमर प्रीत सिंह हुए सेवानिवृत्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने आज (31 अक्तूबर) भारतीय वायुसेना के नए प्रमुख का पदभार संभाल लिया। उन्होंने एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह की जगह ली। अमर प्रीत सिंह 25 महीने के कार्यकाल के बाद सेवानिवृत्त हुए। पूर्व वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह को अब तक तीन आधिकारिक विदाई दी गई हैं। इनमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से आयोजित कार्यक्रम भी शामिल है। पद पर उन्हें आखिरी दिन शनिवार को औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर देकर अंतिम विदाई दी गई।

एयर मार्शल दीक्षित को भारतीय वायुसेना में स्वदेशी विमानों और रक्षा उपकरणों को बढ़ावा देने के प्रयासों के लिए जाना जाता है। उन्होंने हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए) तेजस सहित वायुसेना की अन्य स्वदेशी विमान परियोजनाओं को आगे बढ़ाने में भूमिका निभाई है। उनसे रक्षा क्षेत्र में सरकार की आत्मनिर्भरता पहल को और मजबूत करने की उम्मीद है। एयर मार्शल दीक्षित को 6 दिसंबर 1986 को भारतीय वायुसेना की फाइटर स्ट्रीम में कमीशन मिला था।

दीपावली 2026: धनतेरस पर शुक्र का संयोग, दीपावली पर स्वाति नक्षत्र में होगा लक्ष्मी पूजन

प्रयागराज। दीपोत्सव का पर्व इस बार ज्योतिषीय दृष्टि से विशेष संयोगों के बीच मनाया जाएगा। छह नवंबर को शुक्रवार के दिन धनतेरस और आठ नवंबर को दीपावली का पर्व मनाया जाएगा। दीपावली पर स्वाति नक्षत्र और आयुष्मान योग का

संयोग रहेगा। दीपोत्सव का पर्व इस बार ज्योतिषीय दृष्टि से विशेष संयोगों के बीच मनाया जाएगा। छह नवंबर को शुक्रवार के दिन धनतेरस और आठ नवंबर को दीपावली का पर्व मनाया जाएगा। दीपावली पर स्वाति नक्षत्र और आयुष्मान योग का संयोग रहेगा। ज्योतिषाचार्य परमहंस स्वामी प्रभाकर जी महाराज के अनुसार, धनतेरस शुक्रवार को पड़ने से इसे शुक्र से जुड़ी सुख–समृद्धि, वैभव और ऐश्वर्य की कामना के लिए विशेष माना जा रहा है। मान्यता है कि धनतेरस पर सोने–चांदी के आभूषण, पीतल–तांबे के बर्तन खरीदना शुभ होता है। वहीं, नई झाड़ू, साबुत धनिया, गोमती चक्र, कौड़ियां और सेंधा नमक खरीदना भी शुभ माना जाता है। आचार्य पं. श्यामजी पाठक के अनुसार, प्रयागराज में आठ नवंबर को वृष लग्न शाम 5रू58 से रात 7रू54 बजे तक रहेगा। इस अवधि में मां लक्ष्मी और भगवान गणेश का पूजन करना उत्तम रहेगा। कुंभ लग्न दोपहर 1रू22 से 2रू53 बजे तक और सिंह लग्न रात 12रू26 से 2रू40 बजे तक रहेगा। कुंभ लग्न में गणेश और कुबेर पूजन किया जा सकता है। पूजन के लिए चौकी पर लाल या पीला वस्त्र बिछाकर लक्ष्मी–गणेश की प्रतिमाएं स्थापित करें। मां लक्ष्मी को खील–बताशे तथा गणेश जी को मोदक या लड्डू का भोग लगाएं। शिवकुटी के पं. हेमंत शुक्ला के अनुसार, दीपावली पर स्वाति नक्षत्र और आयुष्मान योग का संयोग धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इस दिन दीपदान के साथ जरूरतमंदों की सहायता करने से पर्व की सार्थकता और बढ़ जाती है।

पीईटी परीक्षा: ट्रेनों में चढ़ने के लिए जूझते दिखे परीक्षार्थी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) के बाद शुक्रवार को शाम पांच बजे के बाद प्रयागराज जंक्शन और विद्या वाहिनी बस स्टेशन पर भारी भीड़ देखने को मिली। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (पीईटी) के बाद शुक्रवार को शाम पांच बजे के बाद प्रयागराज जंक्शन और विद्या वाहिनी बस स्टेशन पर भारी भीड़ देखने को मिली। परीक्षा समाप्त होने के बाद अपने घरों को लौटने के लिए परीक्षार्थियों का रेला सड़कों और रेलवे प्लेटफॉर्मों पर उमड़ पड़ा। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने कानपुर और वाराणसी के लिए विशेष (स्पेशल) ट्रेनों का संचालन किया। इसके बावजूद रूटीन ट्रेनों में भी सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक भीड़ नजर आई। प्रयागराज जंक्शन पर रात तक अभ्यर्थियों का तांता लगा रहा। भीड़ के कारण आरपीएफ और जीआरपी के जवानों को भी काफी मशक्कत करनी पड़ी। कई ट्रेनों में पहले से आरक्षण करवाकर सफर कर रहे आम यात्रियों को भी भारी भीड़ और कोचों में जगह न मिलने के कारण खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। प्रयागराज मंडल के पीआरओ अमित कुमार सिंह ने बताया कि बीते दो दिन में प्रयागराज मंडल के विभिन्न स्टेशनों से 11 आउटवर्ड और चार इनवर्ड परीक्षा स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया गया। वहीं, दूसरी ओर रेलवे के साथ–साथ सड़क मार्ग पर भी जबरदस्त दबाव देखने को मिला। प्रयागराज से वाराणसी और फतेहपुर की तरफ जाने वाली रोडवेज व प्राइवेट बसें पूरी तरह पैक रहीं, जिससे यात्रियों को बस में सीट पाने के लिए भी जद्दोजहद करनी पड़ी।

सरदार पटेल की जयंती पर रेलवे मुख्यालय में मना राष्ट्रीय एकता दिवस

प्रयागराज। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय, प्रयागराज में शनिवार को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। रेलवे बोर्ड के दिशा–निर्देशों के अनुरूप आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्र की एकता, अखंडता और आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने का संकल्प लिया गया। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय, प्रयागराज में शनिवार को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। रेलवे बोर्ड के दिशा–निर्देशों के अनुरूप आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्र की एकता, अखंडता और आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने का संकल्प लिया गया। इस दौरान महाप्रबंधक नरेश पाल सिंह ने अधिकारियों और कर्मचारियों को एकता की शपथ दिलाई। इसके बाद उन्होंने रन फॉर यूनिटी (एकता दौड़) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह आठ बजे सामूहिक शपथ ग्रहण समारोह से हुई। महाप्रबंधक ने सभी अधिकारियों और रेलकर्मियों को राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए समर्पित रहने की शपथ दिलाई। सभी ने सरदार वल्लभभाई पटेल की दूरदर्शिता और उनके योगदान से प्रेरणा लेते हुए देश की एकता का संदेश जन–जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। शपथ ग्रहण के बाद राष्ट्रीय एकता का संदेश प्रसारित करने के उद्देश्य से रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया। महाप्रबंधक के नेतृत्व में आयोजित इस दौड़ में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवानों, उत्तर मध्य रेलवे खेलकूद संघ के सदस्यों और मुख्यालय के विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। कार्यक्रम में उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय के प्रमुख विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में रेलकर्मी मौजूद रहे। आयोजन के माध्यम से सरदार पटेल के विचारों को याद करते हुए राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई गई।

महिलाओं ने अवैध शराब की भट्ठियां तोड़ीं

प्रयागराज। कंजासा गांव में महिलाओं ने सरकारी शराब की दुकान और अवैध शराब के धंधे के खिलाफ फिर मोर्चा खोला है। गत दस अक्तूबर को भी महिलाओं ने इसी मुद्दे पर प्रदर्शन किया था। तब पुलिस ने पंद्रह दिन में दुकान हटवाने का आश्वासन दिया था। बीस दिन बाद भी सरकारी शराब की दुकान नहीं हटी। इस पर महिलाएं शुक्रवार को दोबारा एकत्र हुईं। उन्होंने विरोध प्रदर्शन करते हुए शराब की दुकान तक मार्च किया। घूरपुर पुलिस को सूचना मिली। थाना प्रभारी हरकेश सिंह और एसीपी कौंधियारा अब्दुस सलाम खान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। महिलाओं ने शराब की दुकान बंद कराने और अवैध भट्ठियों का विरोध किया।

खुलासा : मां पर 11 साल के बेटे की हत्या का आरोप, बहन बोली- पापा, मम्मी ने ही भाई को मार डाला

प्रयागराज। प्रयागराज के बहरिया में 11 साल के मासूम रामसुख की संदिग्ध मौत का मामला बड़ी बहन के बयान के बाद हत्या के आरोप तक पहुंच गया। पिता का आरोप है कि मां ने ही कपड़े के लेस से बेटे का गला दबाया। बहन ने पिता को घटना की जानकारी देते हुए खुद को भी धमकी मिलने की बात बताई। पुलिस ने आरोपी मां के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे हिरासत में लिया है।

जिस मां की गोद में 11 साल का रामसुख खेलता था, उसी मां पर उसकी हत्या का आरोप लगा है। प्रयागराज के बहरिया थाना क्षेत्र के मंसूरपुर गांव में मासूम की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत का मामला बड़ी बहन के बयान के बाद नया मोड़ ले चुका है। पिता की तहरीर और बेटी के आरोपों के आधार पर पुलिस ने मां सोना देवी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि मां ने कपड़े के लेस से गला दबाकर बेटे की हत्या की। घटना के बाद बेटी को भी किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। पुलिस आरोपी महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

पोस्टमार्टम के बाद पिता को हुआ शक

मंसूरपुर निवासी पूर्णमासी लाल मौर्य के मुताबिक, 29 अक्तूबर को वह करेली में मजदूरी कर रहा था। इसी दौरान भतीजे महेंद्र ने फोन कर बेटे रामसुख की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत होने की जानकारी दी। वह घर पहुंचा तो बेटे का शव दरवाजे पर रखा था।

पिता ने पत्नी सोना देवी से घटना के बारे में पूछा तो उसने बताया कि रामसुख 28 अक्तूबर की रात सराय सुल्तान में रामलीला देखकर करीब 11 बजे घर लौटा था। पेट दर्द की शिकायत करने के बाद वह सो गया था। हालांकि, बेटे के गले पर निशान देखकर पिता को शक हुआ और उसने शव का पोस्टमार्टम कराया। पिता के मुताबिक, पोस्टमार्टम के दौरान डॉक्टर ने गला किसी पतली रस्सी या कपड़े से दबाए जाने की आशंका जताई।

बहन ने पिता को बताई उस रात की कहानी

घटना के बाद से ही रामसुख की बड़ी बहन संगीता लगातार रो रही थी। 30 अक्तूबर को पिता ने उससे रोने की वजह पूछी तो उसने कथित तौर पर पूरी घटना बता दी। संगीता ने पिता से कहा कि रात में उसकी मां ने कपड़े के लेस से रामसुख का गला दबाया था। भाई की छटपटाहट देखकर उसकी नींद खुल गई थी और उसने मां को ऐसा करते देखा था।

बेटी के मुताबिक, उसने मां से भाई को मारने की वजह पूछी तो मां ने कहा कि रामसुख रात–दिन गाली देता है और मारपीट करता है। इससे वह परेशान हो चुकी है। संगीता ने यह भी आरोप लगाया कि घटना के बाद मां ने उसे धमकी दी कि अगर उसने किसी को कुछ बताया तो उसका भी वही हाल कर देगी। पूर्णमासी लाल के मुताबिक, घटना के समय घर में उनकी पत्नी, बेटा और बेटी मौजूद थे। बेटी के बयान के बाद उन्होंने पत्नी के खिलाफ थाने में तहरीर दी। पुलिस ने सोना देवी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है। थानाध्यक्ष मानवेंद्र सिंह के मुताबिक, मामले की जांच की जा रही है। आरोपी महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

महानगरी, तुलसी और बनारस-लोकमान्य तिलक से छिनेगा सुपरफास्ट का दर्जा, रेलवे का बड़ा फैसला

प्रयागराज। नए साल से मुंबई रूट की तीन प्रमुख ट्रेनों का सफर सस्ता होने जा रहा है। रेलवे महानगरी, तुलसी और बनारस–लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस से सुपरफास्ट का दर्जा हटाने जा रहा है। एक जनवरी 2027 से इनके नंबर बदलने के साथ स्लीपर और एसी श्रेणियों के किराये में भी कमी आएगी।

मुंबई जाने वाली तीन प्रमुख ट्रेनें महानगरी, तुलसी और बनारस–लोकमान्य तिलक से अब सुपरफास्ट ट्रेन का दर्जा हटने जा रहा है। एक जनवरी 2027 से तीनों ही एक्सप्रेस ट्रेन के रूप में संचालित होंगी। इस बदलाव से यात्रियों की जेब पर पड़ने वाला बोझ कम होगा और सभी श्रेणियों में किराये में कमी आएगी।

रेलवे की ओर से जारी विवरण के अनुसार, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस और बनारस के बीच चलने वाली चर्चित महानगरी एक्सप्रेस अब नए रूप और नंबर के साथ पटरियों पर दौड़ेगी। कुछ वर्ष पहले ही सुपरफास्ट श्रेणी में शामिल की गई महानगरी एक्सप्रेस का पुराना नंबर 22177 अब बदलकर 01 जनवरी 2027 से 11093 हो जाएगा।

इसी तरह, वापसी दिशा में चलने वाली गाड़ी संख्या 22178 (बनारस–छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस महानगरी एक्सप्रेस) का नया नंबर 11094 होगा। 22129 लोकमान्य तिलक टर्मिनस और अयोध्या कैंट के बीच संचालित होने वाली तुलसी एक्सप्रेस का संशोधित नंबर अब 11065 कर दिया गया है, जबकि इसके विपरीत दिशा की गाड़ी संख्या 22130 (अयोध्या कैंटदृ लोकमान्य तिलक टर्मिनस) का नया नंबर 11066 होगा।

लोकमान्य तिलक टर्मिनस और बनारस के बीच चलने वाली गाड़ी संख्या 12167 का बदला हुआ नंबर अब 11067 रहेगा तथा वापसी की गाड़ी संख्या 12168 का नया नंबर 11068 होगा। मौजूदा समय बनारस–लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस के स्लीपर श्रेणी से छिवकी से लोकमान्य तिलक का किराया 650 रुपये है जो एक जनवरी से घटकर 620 रुपये हो जाएगा। इसी तरह एसी थ्री का किराया 1650 से घटकर 1605, एसी टू का 2340 से घटकर 2290 हो जाएगा।

जस्टिस देशवाल बोले- सोशल मीडिया पर लाइक्स बढ़ाने के बजाय मुकदमों की तैयारी पर ध्यान दें युवा वकील

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया पर न्यायालय और अधिवक्ताओं के कामकाज को लेकर अधूरी और तोड़–मरोड़कर जानकारी पोस्ट करने वाले युवा वकीलों को नसीहत दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सोशल मीडिया पर न्यायालय और अधिवक्ताओं के कामकाज को लेकर अधूरी और तोड़–मरोड़कर जानकारी पोस्ट करने वाले युवा वकीलों को नसीहत दी है। कोर्ट ने कहा कि युवा अधिवक्ताओं को सोशल मीडिया पर लाइक्स बढ़ाने के बजाय अपनी पढ़ाई, कानूनी ज्ञान और मुकदमों की तैयारी पर ध्यान देना चाहिए। युवा वकील ही इस उच्च न्यायालय का भविष्य हैं और उन्हें अपनी ऊर्जा सकारात्मक दिशा में लगानी चाहिए।

न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल ने एक जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि कुछ युवा अधिवक्ताओं की सोशल मीडिया पोस्टों का संज्ञान लिया गया है। इसमें हाईकोर्ट और वकीलों के कामकाज पर टिप्पणियां की गई हैं। पोस्ट करने वाले अधिवक्ताओं ने यह नहीं सोचा कि अधूरी और तोड़–मरोड़कर पेश की गई जानकारी बार और बेंच के बीच अनावश्यक मतभेद पैदा कर सकती है। अदालत ने कहा कि हाईकोर्ट के अधिकांश न्यायाधीश और वरिष्ठ अधिवक्ता युवा वकीलों के भविष्य के लिए बेहतर माहौल बनाने का प्रयास कर रहे हैं। यही युवा आगे चलकर वरिष्ठ अधिवक्ता और हाईकोर्ट के न्यायाधीश बनेंगे। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कुछ अधिवक्ताओं की ओर से न्यायिक कार्य बाधित करने और अपने मामलों में बहस करने के इच्छुक वकीलों को जबरन रोकने पर नाराजगी भी जताई।

कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट की गरिमा बनाए रखना केवल न्यायाधीशों का नहीं, बल्कि अधिवक्ताओं का भी कर्तव्य है। बार एसोसिएशन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी से उचित कदम उठाने की अपेक्षा जताते हुए जमानत अर्जी पर अगली सुनवाई के लिए 26 नवंबर की तारीख तय की।

न्यायालय से जनता का विश्वास कम होता है तो माफिया परेशान करने लगेंगे

कोर्ट ने कहा कि अधिवक्ताओं का समाज में सम्मान इसलिए है, क्योंकि जनता का उच्च न्यायालय में भरोसा है। यदि न्यायालय से जनता का विश्वास कम होता है तो माफिया और मनमाने सरकारी अधिकारी अधिवक्ताओं को परेशान करने लगेंगे। अदालत ने यह भी कहा कि सरकारी अधिवक्ता भी अधिवक्ता हैं और उनकी गरिमा भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी निजी अधिवक्ताओं की।

यूपीटीईटी–2026 के दो विवादित सवाल मूल्यांकन से बाहर किए जाएं: हाईकोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी)–2026 के दो विवादित सवालों को मूल्यांकन से बाहर करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि जिन सवालों के दो विकल्पों को आयोग ने सही माना था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी)–2026 के दो विवादित सवालों को मूल्यांकन से बाहर करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि जिन सवालों के दो विकल्पों को आयोग ने सही माना था, उन पर केवल कुछ अभ्यर्थियों को अंक देना उचित नहीं है। ऐसे सवालों को मूल्यांकन से हटाकर सभी प्रभावित अभ्यर्थियों को समान लाभ मिलना चाहिए। न्यायमूर्ति विनोद दिवाकर ने कानपुर नगर निवासी विजय सोनकर व तीन अन्य की याचिका पर यह आदेश दिया। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग को यूपीटीईटी–2026 के मास्टर सेट के प्रश्न संख्या 36 और 37 को मूल्यांकन से बाहर करने का आदेश दिया है। सभी प्रभावित अभ्यर्थियों को इन सवालों का समान लाभ देने को कहा है। आयोग को याचियों के अंक दोबारा निर्धारित कर परिणाम और स्कोरकार्ड में सुधार करने का आदेश भी दिया है। याचियों की दलील थी कि आयोग ने अंतिम उत्तर कुंजी में प्रश्न संख्या 36 के विकल्प बी और डी, तथा प्रश्न संख्या 37 के विकल्प ए और डी को सही माना था। इसके बावजूद, केवल उन्हीं अभ्यर्थियों को अंक मिले जिन्होंने स्वीकार किए गए विकल्पों में से एक को चुना था। उनका तर्क था कि दो सही उत्तर स्वीकार होने पर सवाल को मूल्यांकन से हटाना चाहिए। आयोग ने कहा कि याचियों ने सही विकल्प नहीं चुने थे और प्रोविजनल उत्तर कुंजी पर आपत्ति भी नहीं की थी। कोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद स्पष्ट किया कि यूपीटीईटी एक अर्हकारी परीक्षा है। दो सही विकल्प स्वीकार किए जाने के बाद ऐसे सवालों का मूल्यांकन करना उचित नहीं है।

बाइक की टक्कर से बुजुर्ग की मौत, बहरिया में हुआ हादसा, चालक फरार

प्रयागराज। बहरिया क्षेत्र के दोनैया चौराहे पर सब्जी मंडी के पास शुक्रवार शाम करीब सात बजे सड़क पार कर रहे 58 वर्षीय सालिकराम यादव को तेज रफ्तार टीवीएस एक्सएल ने टक्कर मार दी। धमौर निवासी सालिकराम पैदल अपने घर जा रहे थे। बहरिया क्षेत्र के दोनैया चौराहे पर सब्जी मंडी के पास शुक्रवार शाम करीब सात बजे सड़क पार कर रहे 58 वर्षीय सालिकराम यादव को तेज रफ्तार टीवीएस एक्सएल ने टक्कर मार दी। धमौर निवासी सालिकराम पैदल अपने घर जा रहे थे। वह शराब के ठेके के पास सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान करनाईपुर की तरफ से आ रहे टीवीएस एक्सएल सवार ईशान ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह सड़क पर गिर पड़े और उनके सिर में गंभीर चोट लग गई।

हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और परिजनों को सूचना दी। गंभीर रूप से घायल सालिकराम को परिजन और स्थानीय लोग तत्काल एसआरएन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। उधर, हादसे के बाद चालक ईशान मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची बहरिया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सालिकराम की मौत की खबर घर पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। उनके बेटे हर्षवर्धन, राजवर्धन और कीर्तिवर्धन का रो–रोकर बुरा हाल है। पिता की मौत से तीनों बेटों के सिर से साया उठ गया। परिजनों का विलाप सुनकर गांव के लोग भी भावुक हो गए। मृतक के बेटे राजवर्धन ने बहरिया थाने में तहरीर देकर वाहन चालक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

हाईकोर्ट में याचिकाओं की टाइपिंग और फश्वर्मेटिंग के लिए नए दिशा–निर्देश जारी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अदालत में दाखिल होने वाली याचिकाओं, अपीलों, अर्जियों और पुनरीक्षण याचिकाओं की टाइपिंग और फॉर्मेटिंग में एकरूपता लाने के लिए नए दिशा–निर्देश जारी किए हैं। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अदालत में दाखिल होने वाली याचिकाओं, अपीलों, अर्जियों और पुनरीक्षण याचिकाओं की टाइपिंग और फॉर्मेटिंग में एकरूपता लाने के लिए नए दिशा–निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत अंग्रेजी में तैयार होने वाली सभी याचिकाओं और अन्य अदालती दस्तावेजों का टेक्स्ट टाइम्स न्यू रोमन फॉन्ट में 14 साइज और डबल लाइन स्पेसिंग के साथ टाइप करना होगा। हिंदी में तैयार दस्तावेजों के लिए यूनिकोड फॉन्ट 14 साइज और डबल लाइन स्पेसिंग अनिवार्य की गई है।

न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने यह निर्देश जारी करते हुए कहा कि याचिकाओं में बोल्ड और इटैलिक फॉन्ट का मनमाने ढंग से इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। बोल्ड फॉन्ट का प्रयोग केवल संलग्नकों के अंकन या विवरण और इंडेक्स में किया जा सकेगा। वहीं, इटैलिक फॉन्ट का इस्तेमाल केवल याचिका में उद्धृत अंशों और अदालतों अथवा वैधानिक प्रावधानों के संदर्भ में किया जा सकेगा। प्रार्थना या राहत वाले हिस्से को इटैलिक में लिखने की अनुमति नहीं होगी। नए दिशा–निर्देश 12 नवंबर से लागू होंगे। कोर्ट ने कहा कि अलग–अलग फॉन्ट, फॉन्ट साइज और स्पेसिंग के इस्तेमाल से याचिकाओं को पढ़ने में कठिनाई होती है और न्यायिक रिकॉर्ड की व्यवस्थित प्रस्तुति प्रभावित होती है। इसलिए सभी प्रकार की दाखिल याचिकाओं में एकरूपता लाने के लिए यह व्यवस्था जरूरी है। खंडपीठ ने रजिस्ट्रार जनरल को आदेश की प्रति इलाहाबाद स्थित प्रधान पीठ और लखनऊ खंडपीठ के सभी दाखिला एवं स्क्रूटनी अनुभागों को भेजने तथा बार को इसकी जानकारी देने का निर्देश दिया है। नए दिशा–निर्देशों के अनुसार दाखिल दस्तावेजों की जांच 12 नवंबर 2026 से शुरू होगी। साथ ही, इसी याचिका में प्रयागराज नगर निगम के गृहकर निर्धारण से जुड़े मामले में कोर्ट ने नगर आयुक्त को याचिकाकर्ता की शिकायत पर दो महीने के भीतर कारणयुक्त आदेश पारित करने का निर्देश दिया है।

हाईकोर्ट ने कहा- राज्य सरकार बजट के अभाव में भुगतान से इन्कार नहीं कर सकती

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आपूर्ति प्राप्त करने के बाद बजट की कमी का हवाला देकर निर्माण कंपनी को भुगतान नहीं करने के उत्तर प्रदेश सरकार के रवैये पर नाराजगी जताई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आपूर्ति प्राप्त करने के बाद बजट की कमी का हवाला देकर निर्माण कंपनी को भुगतान नहीं करने के उत्तर प्रदेश सरकार के रवैये पर नाराजगी जताई है। कोर्ट ने कहा कि राज्य सरकार को 'मॉडल एम्प्लॉयर' माना जाता है। ऐसे में बजट के अभाव में भुगतान से इन्कार करने का उसका दृष्टिकोण पूरी तरह अस्वीकार्य है। न्यायमूर्ति अजित कुमार और न्यायमूर्ति हरवीर सिंह की खंडपीठ ने मेसर्स एसआरके कंस्ट्रक्शन कंपनी की याचिका पर यह आदेश दिया। सुनवाई के दौरान विपक्षी अधिवक्ता ने बताया कि धन की कमी के कारण याचिकाकर्ता को भुगतान नहीं किया जा सका। सामग्री की आपूर्ति वित्तीय वर्ष 2013–14 से 2017 के बीच की गई थी। उस समय के वार्षिक बजट की बची हुई धनराशि राज्य को वापस चली गई है। इसलिए नया बजट मिलने के बाद ही भुगतान संभव है। इस पर कोर्ट ने आश्चर्य जताया कि राज्य ने जरूरत पड़ने पर कंपनी से सामग्री की आपूर्ति करा ली लेकिन अब धन की कमी बताकर भुगतान नहीं कर रहा है। खंडपीठ ने प्रमुख सचिव, शहरी विकास विभाग को छह सप्ताह के भीतर याचिकाकर्ता की देय राशि जारी करने का निर्देश दिया है। साथ ही अनुपालन हलफनामा दाखिल करने को कहा है।

अपहरण और दुष्कर्म मामले में सभी जीवित आरोपी बरी, 24 साल पुराने मामले में फैसला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपहरण और दुष्कर्म के 24 साल पुराने मामले में ट्रायल कोर्ट का फैसला रद्द करते हुए सभी जीवित अपीलार्थियों को बरी कर दिया है। कोर्ट ने माना कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में सफल नहीं रहा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपहरण और दुष्कर्म के 24 साल पुराने मामले में ट्रायल कोर्ट का फैसला रद्द करते हुए सभी जीवित अपीलार्थियों को बरी कर दिया है। कोर्ट ने माना कि अभियोजन पक्ष आरोपों को संदेह से परे साबित करने में सफल नहीं रहा। न्यायमूर्ति अब्दुल शाहिद ने यह फैसला सुनाया। मामला अलीगढ़ के गभाना थाना क्षेत्र का वर्ष 2000 का है। 26/27 दिसंबर 2000 की रात पीड़िता का अपहरण किया गया था। उसे 30 दिसंबर 2000 को दौराऊ चौराहे से बरामद किया गया। पीड़िता ने राजू और उसके सगे भाई महेश पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया था। अपर सत्र न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश ने आरोपियों को दोषी ठहराया था। इस फैसले के खिलाफ हाईकोर्ट में आपराधिक अपील दाखिल की गई थी। हाईकोर्ट ने अपील स्वीकार करते हुए गुड्डी, राजकुमारी उर्फ गुलकंदी, जयपाल सिंह, ऋषिपाल और महेश को बरी कर दिया।

मशहूर लोकगीत गायिका रागिनी चंद्रा के लोकगीतों ने मचाई धूम, मेले में झूमे उठे दर्शक

प्रयागराज। प्रयागराज की मशहूर लोकगीत गायिका स्वर कोकिला रागिनी चंद्रा की उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र सांस्कृतिक मंत्रालय भारत सरकार द्वारा आयोजित दिवाली शिल्प मेले के मंच पर शानदार लोकगीतों की सुंदर प्रस्तुति हुई । जिनमें

सुप्रसिद्ध लोकगीतों निमिया के डाल मैया डालेली झुलनवा और देश गीत गंगा जमुना के निर्मल धार बाटे सोने के चिरैया भारत देशवा हमार बा, मिर्जापुर की कजरी हमरे मिर्जापुर में अल मस्ति क चाल बा लोकगीतों के प्रस्तुति से समा बांध दिया और श्रोताओं को झूमने और ताली बजाने पर विवश कर दिया। संस्कार भारती प्रयागराज की प्रसिद्ध लोकगीत गायिका रागिनी चंद्रा ने संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार के आमंत्रण पर मेले में शानदार प्रस्तुति दी और सैकड़ो दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। संस्कार भारती के पदाधिकारियों में प्रसिद्ध कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा, संरक्षक कवि योगेंद्र मिश्रा विश्वबंधु , कोषाध्यक्ष शम्भूनाथ श्रीवास्तव शम्भु, सचिव विभव मिश्रा, गायिका प्रियंका चौहान इत्यादि ने रागिनी चंद्रा के इस शानदार प्रस्तुति की सराहना करते हुए बधाई दी है।

इफको इकाई फूलपुर की वालीबाल टीम चयनित

फूलपुर/प्रयागराज। गत दिवस स्थानीय घिया नगर स्थित इफको इकाई फूलपुर की वॉलीबाल टीम का चयन किया गया। खिलाड़ियों के चयन हेतु इफको फूलपुर ग्राउंड पर दो दिवसीय चयन/ट्रायल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। उक्त अवसर

पर उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मेरिट के आधार पर चुना गया। उक्त आशय की जानकारी देते हुए इफको इकाई के स्पोर्ट्स सेक्रेटरी व सैंयुक्त महा प्रबंधक शैलेन्द्र सरकार ने बताया कि चुने गए खिलाड़ी आगामी माह में उड़ीसा (भुनेश्वर) में आयोजित इंटर इकाई वॉलीबाल टूर्नामेंट में फूलपुर इकाई का प्रतिनिधित्व करेंगे। खिलाड़ियों के चयन/ट्रायल के अवसर पर फूलपुर इकाई के वरिष्ठ महाप्रबंधक पी.के.सिंह, शम्भू शेखर एवं कर्मचारी यूनियन के सचिव पंकज त्रिपाठी आदि उपस्थित रहें। मुख्य चयनकर्ता डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन,प्रयागराज के महासचिव आर.पी.शुक्ला द्वारा चयनित खिलाड़ियों की अंतिम सूची जारी की गई। जिनके नाम निम्नानुसार है....

सर्वश्री एम.ए.ए. सिद्दिकी, सचिन चौधरी, सन्नी दयाल गुप्ता, विवेक यादव, संजय कुमार, सुरेंद्र बीस्ट, शिव कुमार, अजय यादव, सुनील कुमार, महेश पांडेय, रजनीश पांडेय, अभिषेक पटेल है। आरक्षित में ह्रदेष द्विवेदी व डी.के.सिंह है।

कादंबरी समारोह 2026, जबलपुर में प्रयागराज की डा. नीलिमा मिश्रा नीलम सम्मानित

प्रयागराज। अखिल भारतीय साहित्यकार पत्रकार सम्मान कादंबरी समारोह 2026, जबलपुर में 31 अक्टूबर को प्रयागराज की सुप्रसिद्ध कवयित्री डॉ. नीलिमा मिश्रा को उनके सजल-संग्रह "एक नया अरुणोदय" के लिए सम्मानित किया गया। सजल-सर्जना समिति, मथुरा के समस्त पदाधिकारियों और सदस्यों ने इस सम्मान के लिए डॉ. नीलिमा मिश्रा को बधाई दी है। डॉ. अनिल गहलौत, श्री संतोष सिंह, श्रीमती रेखा लोढ़ा, श्रीमती अरुणा साहू, कैप्टन सुशील कुमार, मुकेश कुमार, ज्ञानेश कमल, श्री अनिल शुक्ला, श्री अरुण शुक्ला, डॉ. कुमकुम शुक्ला, डॉ. संगीता बाजपेई, डॉ. चित्रा पाण्डेय, सत्यम् प्रभा, देविका, अनुपमा, राघव, कियांश, गरिमा, अंकुर, अनहद, अनन्या, आंजनेय, वैभव, अपर्णा और प्रयागराज के साहित्यिकारों में डॉ. नीलिमा मिश्रा को सम्मानित किए जाने पर हर्ष की लहर दौड़ गई है। कादंबरी' संस्था के अध्यक्ष आचार्य भगवत दुबे एवं सचिव श्री राजेश पाठक प्रवीण के नेतृत्व में देश-विदेश से पधारे 129 रचनाकार और पत्रकार इस वृहत्तर सारस्वत सम्मान में सम्मानित किए गए।

ठाकुर हर नारायण सिंह ग्रुप ऑफ कॉलेजिज के विधि विद्यार्थियों ने किया उत्तर प्रदेश विधानसभा, लखनऊ का शैक्षणिक भ्रमण

प्रयागराज। ठाकुर हर नारायण सिंह ग्रुप ऑफ कॉलेजिज, प्रयागराज के विधि महाविद्यालय के विद्यार्थियों के एक दल ने दिनांक 27 अक्टूबर 2026 को उत्तर प्रदेश विधानसभा,लखनऊ का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को संसदीय एवं विधायी कार्यप्रणाली, लोकतांत्रिक व्यवस्था, कानून निर्माण की प्रक्रिया तथा विधानसभा की कार्यवाही से व्यावहारिक रूप से परिचित कराना था।

यह शैक्षणिक भ्रमण संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष श्री देवेंद्र सिंह चंदेल, अध्यक्ष डॉ. उदय प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी इंजीनियर विनय प्रताप सिंह, प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री गोविंद बिहारी मिश्र के मार्गदर्शन एवं प्रेरणा से आयोजित किया गया।विद्यार्थियों का यह दल संस्थान के कुलसचिव श्री विपुल शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में विधानसभा, लखनऊ पहुँचा। इस अवसर पर शिक्षकों में श्री शैलेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, मधुलिका मौर्य, डॉ. रेशमा राय एवं श्री सौरभ त्रिपाठी उपस्थित रहे।

मां समान बुजुर्ग महिला की हत्या कर जेवर लूटने वाला पड़ोसी गिरफ्तार

एसएसपी ने प्रेसवार्ता कर किया हत्याकांड का खुलासा, 60 कंगन, 11 चेन और 31 अंगूठियां बरामद

मथुरा। कोतवाली क्षेत्र की चूना कंकड़ वाली गली में बुजुर्ग महिला की हत्या कर जेवर लूटने की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। महिला की हत्या किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं, बल्कि उसके पड़ोस में रहने वाले 19 वर्षीय युवक ने की थी। शुक्रवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने प्रेसवार्ता कर घटना की जानकारी दी। पुलिस ने आरोपी भरत को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से बड़ी मात्रा में आभूषण, नकदी और अन्य सामान बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, 24 अक्टूबर की रात करीब 10 बजे आरोपी भरत ने बुजुर्ग महिला के घर की घंटी बजाई। दरवाजा खोलने पर उसने छत पर कपड़ा गिरने का बहाना बनाया। महिला छत की चाबी लेकर उसे ऊपर ले जाने लगीं। इसी दौरान आरोपी ने सीढ़ियों पर रखी ईंट उठाकर महिला के सिर और चेहरे पर कई वार कर दिए। इससे उनकी मौत हो गई। इसके बाद आरोपी महिला के पहने हुए जेवर और कमरे में रखे बैग से आभूषण लेकर फरार हो गया। एसएसपी के मुताबिक, आरोपी मृतका का पड़ोसी था और उनके घर आना-जाना रहता था। महिला उसे अपने

बच्चे की तरह मानती थीं। नवरात्रि में बहन के साथ कन्या-लांगुर भोज में जाने के दौरान उसने घर में रखी तिजोरी देख ली थी। इसके बाद उसके मन में जेवर लूटने का लालच आ गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने वारदात की योजना बनाने के लिए इंटरनेट पर बेहोशी के इंजेक्शन और तमंचे के बारे में भी जानकारी तलाश की थी।

कोतवाली पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपी को 29 अक्टूबर की रात चूना कंकड़ वाली गली के पास से गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से पीली धातु के 60 कंगन, 11 चेन, 31 अंगूठियां, दो लॉकेट, 27 कान के टॉप्स, एक नोज पिन, पीली धातु लगा एक रुद्राक्ष और मिश्रित धातु की तीन अंगूठियां बरामद हुईं।

इसके अलावा मोबाइल फोन, आधार कार्ड, हत्या के समय पहने गए कपड़े और 16,600 रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं। बरामदगी के आधार पर मुकदमे में बीएनएस की धारा 317(2) की बढ़ोतरी की गई है। कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अजय कौशल, स्वाट टीम प्रभारी महावीर सिंह, उपनिरीक्षक आमोद कुमार सहित कोतवाली पुलिस और स्वाट टीम के सदस्य शामिल रहे।

मनुष्य बिना सद्चरित्र के राम कृपा नहीं प्राप्त कर सकता: विनोदानन्द

डांडिया और गरबा लोक नृत्य की प्रस्तुतियों से छात्राओं ने मंच पर बांधी समां

करछना। क्षेत्र के रामपुर स्थित बृजमंगल सिंह कॉलेज में चल रहे 28 वें जमुनापार महोत्सव के चौथे दिन जहां एक ओर विद्यालय की छात्राओं ने लोक नृत्य की प्रस्तुतियों पर खूब समां बांधी,वहीं दूसरे सत्र में मंच पर पहुंचे प्रवाचकों ने मानस ज्ञान गंगा प्रवाहित कर श्रोता-भक्त जनों को भाव विभोर कर दिया। स्वामी विनोदानन्द सरस्वती जी महाराज ने राम,चरित और मानस की मर्म और तथ्यपूर्ण व्याख्या करते हुए कहा कि जब तक मनुष्य चरित्र की सीढ़ी से होकर ऊपर नहीं पहुंचता उसे श्री राम की कृपा-भक्ति नहीं प्राप्त हो सकती। उन्होंने राम नाम जप और राम भक्ति को भव मुक्ति का सबसे सहज,सरल और सर्वोच्च साधन बताया। मिर्जापुर से पधारे आचार्य पंकज जी महाराज ने कथा के आरंभ में श्कलयुग केवल नाम अधारा। सुमिर सुमिरि नर उतरहिं पारा,जैसी चौपाइयों के माध्यम से राम भक्ति की साधना

में रत होने और उनकी कृपा प्राप्त करने के लिए श्रद्धालु भक्तजनों का आवाहन किया। उन्होंने काग भुसुंडि जी और गरुड़ जी के संवाद प्रसंग की कथा सुनाते हुए सभी को आहलादित कर दिया। इसके पूर्व बृजमंगल सिंह इंटर कॉलेज रामपुर की छात्रा मानवी,प्रिंसी,नंदिनी मिश्रा,शिफा सिद्दीकी,राहत और अर्शिया द्वारा प्रस्तुत डांडिया और गरबा लोक नृत्यों पर श्रोता मंत्र मुक्त हो उठे। विद्यालय के छात्र सुभाष विश्वकर्मा ने देश भक्ति गीतों पर भी खूब तालियां बटोरी। श्रद्धा और श्वेता पाल ने लोकगीत और मोहिनी श्रीवास्तव, मालती शर्मा द्वारा प्रस्तुत श्राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगीश जैसे गीतों ने भी खूब तालियां बटोरी। बबलू शुक्ला ने तबला और विजय मिश्रा ने आर्गन पर सराहनीय संगत किया। अंत में महोत्सव के संयोजक डॉ.भगवत पांडेय ने बाल प्रतिभाओं को सम्मानित करते हुए प्रवाचकों का भी माल्यार्पण कर स्वागत किया। प्रधानाचार्य मनीष तिवारी ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। संचालन डॉ. केके त्रिपाठी ने किया। इस मौके पर भाजपा नेता त्रिवेणी प्रसाद पांडेय,पंडित शशिकर द्विवेदी, रामेश्वर द्विवेदी रोशन ओझा,डॉ. वाईपी सिंह,वेद श्रीवास्तव,अलख नारायण शुक्ला, कृष्ण मुरारी विश्वकर्मा, शिवा शुक्ला, आरती शुक्ला, जितेंद्र कुमार, विजय सिंह,सुरेश कुमार,कंचन पांडेय, विमला देवी,उमाशंकर पांडेय सहित बड़ी संख्या में श्रोता भक्त जन मौजूद रहे।

ईश्वर शरण में राष्ट्रीय एकता दिवस पर युवा संवाद का आयोजन

प्रयागराज। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत, प्रयागराज द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना (छे), ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज के सहयोग से आज कॉलेज के निर्मला देशपांडे सभागार में युवा संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय 'एसआईआर अभियान एवं विकसित भारत के लिए नशामुक्त युवा' रहा।कार्यक्रम में युवाओं के लिए एसआईआर आधारित क्विज आयोजित की गई, जिसमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शीर्ष तीन प्रतिभागियों को ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। युवा आइकॉन अभिनय दुबे तथा अमरेश दुबे नें ष्ट्र झदवू ल्वनत टवजमष विषय पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ईश्वर शरण महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना समन्वयक डॉ. अरविंद कुमार मिश्र रहे। उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं से राष्ट्रीय एकता दिवस की आयोजन के

उद्देश्य एवं निहितार्थ पर विस्तृत चर्चा की तथा विकसित भारत के लिए नशा मुक्त युवा विषय पर संबोधित करते हुए युवाओं को समाज एवं समुदाय में इसके प्रति जागरूकता फैलाने के प्रति आह्वान किया। संदर्भ व्यक्तियों के रूप में श्री महेश कुमार द्विवेदी, मेरा युवा भारत एवं डॉ. शैलेश यादव, महाविद्यालय एन.एस.एस कार्यक्रम अधिकारी एवं सहायक आचार्य ने एसआईआर, नशामुक्त युवा एवं मेरा युवा भारत पोर्टल पर युवाओं को जानकारी दी।कार्यक्रम में मेरा युवा भारत, प्रयागराज की उपनिदेशक जागृति पांडेय, डॉ रेफ़ाक़ अहमद, डॉ आलोक कुमार मिश्र की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में आयोजित क्विज प्रतियोगिता के विजेताओं – 1. प्रथम – यश्वी सोनी 2. द्वितीय – प्रीति बिन्द 3. तृतीय – प्रिंस यादव 4. सांत्वना – आयुषी जायसवाल को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। उपरोक्त कार्यक्रम में कॉलेज माय भारत एंबेसडर एवं राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक युवराज स्वयंसेविका अस्मिता, स्वयंसेवक सक्षम मिश्रा एवं अनुराग प्रसाद की सराहनीय भूमिका रही।

सीएमपी डिग्री कॉलेज में राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन

प्रयागराज स सी एम पी डिग्री कालेज प्रयागराज में राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन किया गया जिसमें कालेज के राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र एवं छात्राओं ने प्रतिभाग किया कार्यक्रम शुभारम्भ राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य गीत से हुआ इस अवसर पर कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयं सेविका शालिनी अनिहोत्री ने सरदार बल्लभ भाई पटेल के देश के लिए किये कार्य को प्रस्तुत किया उन्होंने बताया कि सरदार पटेल जी भारत जैसे देश के सुरक्षा और सम्प्रभुता साथ ही साथ अखण्डता के लिए एक चट्टान के रूप में ऊभरकर आये सरदार पटेल जी देश के एक लौह पुरुष थे, जिन्होंने देश खण्ड होने से बचाया 600 से ज्यादा देशी रियासतो को भारत में विलय के लिए राजाओं पर दबाव बनाया जिससे अखण्ड भारत का निर्माण हुआ । इसके बाद आगे की कड़ी में ज्योति

त्रिपाठी ,शिवम दिवाकर संदीप दिवाकर ने भी अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। ब्द्ब आफिस स्वास्थ विभाग प्रयागराज से अतिथि मुकेश कुमार जी तथा दिपचन्द जी ने भी सरदार पटेल के साहस और पराक्रम पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किये, इसके बाद दिप चन्द जी श्रीमती इन्दिरा गाँधी जी के पुण्यतिथि तथा उनके द्वारा किये गये कार्यो का वर्णन प्रस्तुत किये । जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन डॉ यशवन्त कुमार ने किया तथा बाद कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से किया गया।

मिट्टी का लघु पात्र

(छप्पय)

ग़म विषाद अवसाद रंज सब पीकर बाती।
सहकर तप्त कठोर नेह का पाठ पढ़ाती।
अद्भुत है इतिहास त्याग का अनुपम दर्शन।
जिसने देखा रूप उसी ने किया समर्पण।
बिन बोले जलती रहे पीकर सारे रंज को।
विमुख न हो कर्तव्य से शिक्षा दे संसार को।।

मिट्टी का लघु पात्र तेल की दरिया भर के।
काट रहा तम–जाल मौन को धारण करके।
अंधकार का दुर्ग ढहाकर हर्ष मानती।
छोटा है यह दीप मगर महिमा है भारी।
जो सहते है कष्ट को वही पूज्य हो जाते हैं।
त्याग देख मानव सभी उसके ही गुण गाते हैं।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज में राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज में राष्ट्रीय एकता दिवस का कार्यक्रम दिनांक 31.10.2026 को परिसर के गंगा सभागार में परिसर के निदेशक प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" की अध्यक्षता में आयोजित किया

गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. श्यामसुन्दर पाण्डेय, प्रोफेशनल सहायक द्वारा किया गया। राष्ट्रीय दिवस एकता कार्यक्रम में राष्ट्रीय एकता के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए शपथपत्र का वाचन परिसर निदेशक प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय "परमहंस" महोदय द्वारा किया गया। राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम के उपलक्ष्य में एकता दौड़ कार्यक्रम परिसर निदेशक, अध्यापक, छात्र एवं कर्मचारियों के द्वारा परिसर प्राङ्गण में आयोजित की गयी। इस अवसर पर कार्यालय अधीक्षक श्री संजय कुमार मिश्र, डॉ. शुभश्री दाश, डॉ. श्यामसुन्दर पाण्डेय, डॉ. विपिन द्विवेदी, अंजू मिश्रा, मंजू देवी समेत समस्त परिसरीय सदस्य उपस्थित रहे।

कोर में राष्ट्रीय एकता दिवस का आयोजन

प्रयागराज। भारत सरकार, रेल मंत्रालय द्वारा प्राप्त दिशा निर्देश के अन्तर्गत केन्द्रीय रेल विद्युतिकरण संगठन, प्रयागराज मुख्यालय परिसर में 31 अक्टूबर 2026 को सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने और मजबूती देने की दृष्टि से स्मरणोंस्वरूप "राष्ट्रीय एकता

दिवस" (छंजपवदंस न्दपजल क्ंल) के रूप में मनाया गया। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर कोर के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, डॉ संजय सिंह नेगी ने प्रातः 7ः00 बजे सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को "एकता शपथ" दिलाई तत्पश्चात मुख्य प्रशासनिक अधिकारी महोदय ने 7ः05 बजे झण्डा दिखाकर एकता दौड़ के लिए सभी को रवाना करते हुए स्वयं भी प्रतिभाग किया। एकता दौड़ कोर मुख्यालय से शुरू होकर सुभाष चौराहा, सिविल लाइन्स बस अड्डा एवं मण्डल रेल प्रबन्धक कार्यालय के सामने से होते हुए पुनः कोर मुख्यालय परिसर में समाप्त हुई। इस एकता दौड़ में प्रमुख मुख्य इंजीनियर–श्री जे.सी.चौरसिया, मुख्य बिजली इंजीनियर–श्री अर्पण कुमार, मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी–श्री नरेन्द्र चौधरी, सहित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन जनसम्पर्क अधिकारी–श्री विमल कुमार द्वारा किया गया।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डरसंख्या-230-वि0/कावि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2026/671 दिनांक : 29.10.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/कावि0/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है-

निविदा सं0 : 230-कावि0-कार्य ठेका-1060-2026

कार्य का विवरण : एनएच-135ए पर 4-लेन मिर्जापुर बाईपास निर्माण के कारण उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के अंतर्गत डीडीयू-प्रयागराज रेल खंड के विन्ध्याचल यार्ड में 25 के.वी. ओ.एच.ई. में संशोधन का कार्य।

अनुमानित लागत : रू0 48,28,052.54	बिड सुरक्षा राशि : रू0 96,600.00
कार्य अवधि : 12 महीना	बोली प्रणाली : एक पैकेट

निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय : 20.11.2026, 14:00 बजे

निविदा खुलने की तिथि तथा समय : 20.11.2026, 15:00 बजे

नोट:- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई.बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 2482/26 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या : 230-वि0/कावि0/प्रयागराज/ई-टेण्डर/2026/672 दिनांक : 29.10.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/का0वि0/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।-

निविदा सं0 : 230-कावि0-कार्य ठेका-1061-2026

कार्य का विवरण : उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के पनकी धाम-भाऊपुर स्टेशनों के बीच एनएचएआई (NHAI) द्वारा रिंग रोड के आरओबी (ROB-रोड ओवर ब्रिज) निर्माण के कारण 25 केवी ओएचई के संशोधन का कार्य।

अनुमानित लागत : रू0 71,63,583.88	बिड सुरक्षा राशि : रू0 1,43,300.00
कार्य अवधि : 12 महीना	बोली प्रणाली : एक पैकेट

निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय : 20.11.2026, 14:00 बजे

निविदा खुलने की तिथि तथा समय : 20.11.2026, 15:00 बजे

नोट :- 1. उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। 2. उपरोक्त निविदा में ई-बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 2483/26 (C)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.....

बेजार हुआ बाजार

वैश्विक बाजार में जारी उथल–पुथल तथा कई युद्धों से बेदम होती अर्थव्यवस्था में स्वदेशी उद्योगों पर कितने गंभीर प्रभाव पड़ रहे हैं, उसकी बानगी देश–दुनिया में विख्यात पानीपत के कंबल उद्योग के खस्ता हालात में दिखती है। देश में कंबल उत्पादन का यह प्रमुख केंद्र फिलहाल गंभीर आर्थिक चुनौतियों से जूझ रहा है। अब जब सर्दियों के लिये कंबलों की खरीद का सीजन पीक पर है,यहां घरेलू बिक्री में पचास फीसदी की भारी गिरावट दर्ज की गई है। निस्संदेह, यह मंदी उस टेक्सटाइल क्लस्टर की कमजोरी को उजागर करती है, जिसने बड़े पैमाने पर उत्पादन के बूते देश–विदेश में अपनी प्रतिष्ठा बनायी थी। भले ही आर्थिक विकास की तीव्र दर के दावों को लेकर नेता गाल बजाते रहें, लेकिन कंबल उद्योग के आंकड़े चिंता बढ़ाने वाले हैं। यह उद्योग खाड़ी युद्ध, मौसमी उतार–चढ़ाव व विषम आर्थिक परिस्थितियों में उपभोक्ताओं की घटती क्रयशक्ति, बढ़ती लागत आदि अनेक कारकों के प्रति संवेदनशील बना हुआ है। एक बड़ी वजह उत्पादन लागत का बढ़ना भी है। मसलन पॉलिएस्टर धागे की कीमत पिछले साल के मुकाबले काफी बढ़ गई है। कंबल उद्योग से जुड़े उद्यमी बताते हैं कि ऑर्डर कम आने से बिना बिके माल का स्टॉक बढ़ता जा रहा है। जिसके चलते कंबलों के उत्पादन में तीस से पैंतीस प्रतिशत की गिरावट आ गई है। वहीं दूसरी ओर भुगतान शृंखला भी गड़बड़ा गई है। जो भुगतान एक–सवा महीने में आ जाता था, वह औसत समय दो माह का हो चला है। जिससे कार्यशील पूंजी पर दबाव बढ़ रहा है। फलतरू उत्पादक खुद को मुश्किल स्थिति में फंसा पा रहे हैं। ऐसे में यदि उद्यमी बढ़ी हुई लागत का बोझ खुद वहन करते हैं तो उनका मुनाफा कम हो जाता है। वहीं दूसरी ओर यदि वे उत्पाद की कीमत बढ़ाते हैं तो कीमत के प्रति संवेदनशील ग्राहक के दूर होने की चिंता बन जाती है। पानीपत का कंबल उद्योग फिलहाल जिस संकट से गुजर रहा है, उसके प्रभाव व्यापक हैं। निस्संदेह, पानीपत के कपड़ा उद्योग से हजारों बुनकरों, श्रमिकों, व्यापारियों, परिवहनकर्ताओं और अन्य सहायक व्यवसायों का जुड़ाव होता है। यदि उद्योग में लंबे समय तक मंदी की स्थिति बनी रहती है, तो हजारों लोगों की जीविका पर असर पड़ेगा। खासकर, कंबलों की घरेलू आपूर्ति से जुड़ा क्षेत्र। इसके अलावा यह पुनर्चक्रण आधारित कपड़ा उद्योग का भी केंद्र है। जहां, अनुपयोगी कपड़ों को व्यावसायिक रूप से उपयोगी बनाने की क्षमता सर्वाधिक है। निस्संदेह, कंबल उद्योग को अविलंब सरकारी मदद की दरकार है। सरकार को तत्काल वे उपाय करने होंगे, जिससे किफायती कार्यशील पूंजी की उपलब्धता सुनिश्चित हो। वहीं समय पर भुगतान को प्रोत्साहित करने के प्रयास हों। लंबे समय तक पानीपत के कंबल उद्योग की अंतर्राष्ट्रीय साख रही है। लेकिन अब इस उद्योग में शामिल कुछ देशों की तरफ से कड़ी चुनौती मिलने लगी है। फलतरू इस उद्योग से जुड़ी तकनीकों का अविलंब आधुनिकीकरण किया जाए। इसके साथ ही ऊर्जा जरूरतों की पूर्ति सुनिश्चित करने और कार्यबल को आधुनिक उत्पादन जरूरत के हिसाब से प्रशिक्षण देने की जरूरत होगी। इस उद्योग के उत्थान के लिये दीर्घकालिक रणनीति तैयार करना भी उतनी ही जरूरी है। वहीं दूसरी ओर कंबल निर्माताओं को भी नई पीढ़ी की रुचि के हिसाब से अपने उत्पादों में विविधता लाने की जरूरत है। इससे जहां पानीपत के ब्रांड को मजबूती मिलेगी, वहीं विदेशी बाजार तक पहुंच बनाने में मदद मिल सकती है। निस्संदेह, पानीपत के कंबल उद्योग की मौजूदा स्थिति हमें यह सबक देती है कि विनिर्माण क्षमता को केवल उत्पादन क्षमता के आधार पर नहीं मापा जा सकता है। हकीकत तो यह है कि एक मजबूत औद्योगिक क्लस्टर को कीमतों में अचानक आने वाले उतार–चढ़ाव, उपभोक्ताओं की बदलती रुचियों और बाजार में पैदा होने वाली अनिश्चतता का सामना करने में भी सक्षम होना ही चाहिए। वक्त की जरूरत है कि सरकार इस स्थिति में अविलंब हस्तक्षेप करे। यदि ऐसा होता है तो एक अस्थायी मंदी को गंभीर संरचनात्मक संकट बनाने से रोका जा सकता है। ऐसे में सरकार के ये प्रयास केवल टेक्सटाइल हब को ही नहीं बचाएंगे, बल्कि रोजगार–उद्यम की रक्षा के साथ ही देश की विनिर्माण आर्थिकी को भी संबल देंगे।

विधान परिषद चुनाव नतीजों के संकेत

रोहित माहेश्वरी

उत्तर प्रदेश, बिहार, कर्नाटक और महाराष्ट्र की 28 विधान परिषद सीटों पर आए चुनावी नतीजों ने देश की सियासत को कई महत्वपूर्ण और गहरे संकेत दिए हैं। चूंकि ये चुनाव मुख्य रूप से शिक्षकों, स्नातकों (ग्रेजुएट्स) और स्थानीय निकायों द्वारा बैलेट पेपर के माध्यम से चुने जाते हैं, इसलिए इनके राजनीतिक संदेश सीधे तौर पर प्रबुद्ध वर्ग, सरकारी कर्मचारियों और जमीनी संगठन की मनोदशा को दर्शाते हैं। चूंकि ये चुनाव बैलेट पेपर से हुए थे, इसलिए एनडीए की इस जीत ने विपक्ष के उस नैरेटिव को बड़ा झटका दिया है जिसमें अक्सर ईवीएम पर सवाल उठाए जाते थे। भाजपा ने इस नतीजे से यह संदेश दिया है कि उसकी जीत का आधार जनता का समर्थन और मजबूत संगठन है, न कि वोटिंग मशीन। विधान परिषद के चुनावों में कांग्रेस 'बड़े शून्य'के धब्बे से बच गई। नागपुर स्नातक सीट जीत कर सभी को चौंका दिया। नागपुर की जीत 'प्रतीकात्मक'है, क्योंकि यहां आरएसएस का मुख्यालय है और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी यहां से सांसद हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस भी नागपुर की एक सीट से विधायक हैं। क्या नागपुर में स्नातक युवाओं पर संघ परिवार का मानसिक और नैतिक प्रभाव कम हुआ है? उप्र में प्रधानमंत्री मोदी के चुनाव क्षेत्र वाराणसी में शिक्षक और स्नातक सीटें समाजवादी पार्टी ने जीती हैं। इस सीट पर प्रधानमंत्री की सांसद के तौर पर जीत का अंतर भी काफी कम हुआ था, लिहाजा यह भाजपा की नई चिंता होनी चाहिए कि शिक्षक और स्नातक जैसा शिक्षित वर्ग क्या भाजपा से विमुख हो रहा है? छिटक रहा है? आगरा में भी सपा का उच्च जातियों के बीच समीकरण बिठाना यह संकेत देता है कि भाजपा के कोर वोटर प्रबुद्धध्यापारी वर्ग के भीतर स्थानीय स्तर पर कुछ नाराजगी या बेचौनी है जिसे दूर करना भाजपा के लिए बड़ी चुनौती होगा। लखनऊ केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का चुनाव क्षेत्र है और गोरखपुर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का गृह–गढ़ है। लखनऊ में भाजपा की पराजय हुई है और गोरखपुर में 'दूसरी वरीयता' के स्तर पर मात्र 307 मतों से जीत पाई है। इलाहाबाद (अब प्रयागराज) भी भाजपा का गढ़ है। वहां से भी सपा ने जीत हासिल की है। उप्र में मार्च, 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। बेशक विधान परिषद के चुनाव 'सीमित' होते हैं, फिर भी हजारों मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। यह भी जनादेश से कमतर नहीं माना जा सकता। कमोबेश इनके नतीजों से स्पष्ट संकेत मिलते हैं, लिहाजा दल सबक भी ले सकते हैं। उप्र में आम विधानसभा चुनाव से पहले ही समीकरण बदलते लग रहे हैं। यदि सपा–कांग्रेस ने वाकई गठबंधन में चुनाव लड़ा, तो नतीजे 'अप्रत्याशित' भी हो सकते हैं! अलबत्ता विधान परिषद की कुल 28 में से 16 सीटें भाजपा ने जीती हैं, लिहाजा संतोष किया जा सकता है। यह जीत भाजपा–एनडीए की साझा जीत है। उप्र में कुल 11 सीटों में से भाजपा के हिस्से 6 और सपा के हिस्से 5 सीटें आई हैं। भाजपा पिछले चुनाव की तरह ही है, लेकिन सपा ने 2 सीटों की बढ़त बनाई है, लिहाजा संकेत स्पष्ट हैं कि भाजपा के सामने चुनावी चुनौतियां हैं। जनादेश इतना आसान, सहज, सरल नहीं होगा। सबसे चौंकाऊ नतीजा यह रहा है कि कर्नाटक में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है। सभी चारों सीटों पर भाजपा–जद (एस) का कब्जा हो गया है। कर्नाटक में कांग्रेस सत्तारूढ़ है। मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार 'चुनावी सियासत' के चाणक्य माने जाते रहे हैं। बेंगलुरु में पुट्टन्ना परिषद की शिक्षक वर्ग सीट से 5 बार निर्वाचित हो चुके हैं और परिषद के उपाध्यक्ष भी रहे हैं, लेकिन इस बार वह सीट जद–एस ने छीन ली है। शेष तीनों सीटों पर भाजपा विजयी रही है। यह 2028 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर 'बदलाव का संकेत' है। बेंगलुरु शिक्षक सीट जैसे मजबूत गढ़ में मुख्यमंत्री के करीबी की हार ने यह संकेत दिया है कि पढ़े–लिखे मतदाता, शिक्षक और सरकारी कर्मचारी राज्य सरकार की नीतियों (जैसे तबादले और भर्तियां) से नाराज हैं।महाराष्ट्र में भाजपा–महायुति दावा कर रहे थे कि वे पांचों सीटों पर 'क्लीन स्वीप' करेंगे, लेकिन 'बुजुर्ग चाणक्य' शरद पवार और कांग्रेस ने तीन सीट जीत कर तमाम समीकरण बदल दिए और सत्ता के दावे ध्वस्त कर दिए। भाजपा–शिवसेना (शिंदे) के हिस्से 1–1 सीट ही आई। बिहार में एनडीए ने अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन वे प्रशांत किशोर की 'जनसुराज पार्टी' की एक सीट पर जीत को रोक नहीं पाए। बहरहाल सबसे संवेदनशील राज्य उप्र रहा, जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आक्रामक प्रचार करने में जुटे हैं। विपक्ष में सपा–कांग्रेस की सीटें अभी तय नहीं हो पाई हैं। तीसरे पक्ष के तौर पर ओवैसी मुसलमानों को लामबंद करके अपनी पार्टी का खाता खोलने में जुटे हैं। उप्र विधानसभा में कुल 403 सीटें हैं। यह चुनाव भी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार गुप्ता की ही सरपरस्ती में हुआ है। जो परिणाम सामने हैं और जिस तरह विपक्ष ने जीत हासिल की है, उससे 'वोट चोरी' का जुमला अब छोड़ देना चाहिए। यदि मनमर्जी की मतदाता सूची बनाई जा सकती है, तो कर्नाटक सरकार भी कर सकती थी और कुछ सीटें जीत सकती थी, लेकिन ऐसा संभव नहीं होता। 'वोट चोरी' का मुद्दा उछालने के बाद विपक्ष और खासकर कांग्रेस सभी चुनाव हारी है, लेकिन अप्रत्याशित जीत भी दर्ज की गई हैं।नतीजों को समझने से पहले यह जानना जरूरी है कि ये किस तरह के चुनाव हैं। विधान परिषद की स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों की सीटों पर होने वाले चुनाव बहुत सीमित क्षेत्र में लड़े जाते हैं। इनमें हर नागरिक वोट नहीं डाल सकता। स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में केवल योग्य स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में केवल योग्य शिक्षक ही वोट दे सकते हैं। इसलिए इन चुनावों में मतदान कम होता है और जीत–हार का अंतर अक्सर बहुत कम रहता है। देश के केवल छह राज्यों में विधान परिषद है। ये राज्य हैं– उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, बिहार, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना। विधान परिषद के सदस्यों का कार्यकाल छह साल का होता है। हर दो साल में एक–तिहाई सदस्य रिटायर होते हैं। यह व्यवस्था राज्यसभा जैसी है। कम मतदान के कारण ये चुनाव जनता के व्यापक मूड को समझने का पैमाना कम और राजनीतिक दलों की चुनावी तैयारी और प्रबंधन की परीक्षा ज्यादा होते हैं। आमतौर पर वही पार्टी या उम्मीदवार जीतता है, जो ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं का पंजीकरण कराने और उन्हें वोट डालने के लिए मतदान केंद्र तक लाने में सफल रहता है। समय के साथ इन चुनावों में धनबल और बाहुबल का महत्व भी बढ़ा है। सत्ता में रहने वाली पार्टियों को अक्सर फायदा मिलता है, क्योंकि उनके पास संसाधन और प्रशासनिक तंत्र होता है। विधान परिषद चुनावों का वोटर आम विधानसभा जैसा नहीं होता। यहां मतदाता बेहद जागरूक होता है। नतीजों ने साफ कर दिया है कि प्रबुद्ध वर्ग केवल बड़ी पार्टी के नाम पर वोट नहीं देता, बल्कि स्थानीय स्तर पर उम्मीदवार की छवि, उसकी उपलब्धता और शिक्षकोंध्कर्मचारियों के मुद्दों पर किए गए काम को प्राथमिकता देता है। ये परिणाम देश के राजनीतिक मूड का एक आंशिक लेकिन बेहद उपयोगी संकेतक हैं। संदेश साफ है कि जहां भाजपा को बड़े राज्यों में अपनी पकड़ मजबूत रखने के बावजूद स्थानीय नाराजगी से बचने के लिए संगठन में सुधार की जरूरत है, वहीं विपक्ष विशेषकर कांग्रेस को सत्ता वाले राज्यों में भी अति–आत्मविश्वास से बचकर जमीनी स्तर पर काम करने की आवश्यकता है।

भारत को चीन के प्रति सख्त रवैया अपनाने की जरूरत

दुनिया की दो बड़ी ताकतों भारत और चीन के बीच रिश्ते लंबे समय से तनावपूर्ण हैं। दोनों देशों के बीच 1962 में भीषण युद्ध के अलावा सीमा पर अक्सर झड़प होती रहती है। कई स्थानों खासकर लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश में सीमा विवाद से यह स्थिति बनती है। भारत–चीन के बीच सीमारेखा तय करने वाली 1914 की मैकमोहन रेखा को चीन नहीं मानता है। वह समूचे अरुणाचल प्रदेश पर दावा पेश करता है। यों भी चीन का रवैया विस्तारवादी है। वह दूसरे देशों के कई इलाकों पर दावे जताता है। उसका कुछ द्वीपों के संबंध में जापान और फिलीपीन्स से विवाद सुर्खियों में रहता है। वह स्वतंत्र देश ताइवान को भी अपना हिस्सा बताता है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) को 2027 तक ताइवान पर कब्जा करने का लक्ष्य दिया है। ताजा विवाद भारत से संबंधित है। भारत–तिब्बत सीमा पुलिस के डायरेक्टर जनरल शत्रुजीत कपूर ने 23 अक्टूबर को राजस्थान में एक सम्मान समारो हमें खुलासा किया कि अरूणाचल प्रदेश में चीनी सैनिकों से कई स्थानों पर टकराव चल रहा है। कपूर जल्द ही रिटायर होने वाले हैं। लगता है, उन्होंने सरकार की सहमति से यह जानकारी उजागर की है। यह जुलाई से चल रहे तनाव की सरकारी तौर पर पहली पुष्टि थी। ध्यान रहे, ऐसी खबरें आ रहीं थी कि अरुणाचल प्रदेश में ताकसिंग के पास अस्फिला में भारत–चीन के बीच जुलाई से तनातनी जारी है। पीएलए ने नियंत्रणरेखा के 6–7 किलोमीटर अंदर टेंट लगा लिए हैं। 24 अक्टूबर को विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, हमने पहले भी देखा है कि जब समय–समय पर चीनी सैनिक स्थापित पैटर्न से अलग हटकर गश्त करते हैं तब भारत–चीन की सीमा पर गड़बड़ी होती है। निश्चित तौर पर भारत की यह प्रतिक्रिया चीन को पसंद नहीं आई है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने जवाब दिया कि उसकी सेना अपनी संप्रुभता को सुरक्षित रखने के लिए सीमा पर सामान्य गश्त करती है। यहां एक और घटनाक्रम का जिक्र सामयिक होगा। 2 अक्टूबर को भारत सरकार ने लद्दाख के 28 स्थानों के नाम और पहचान घोषित कर दिए। इसके कुछ ही घंटे बाद चीन ने कहा कि उसने कभी भी तथाकथित केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख को मान्यता नहीं दी है। बीते कुछ वर्षों से दोनों देशों के बीच नक्शे में स्थानों के नाम घोषित करने की जवाबी कार्रवाई चल रही है। 2017 के बाद चीन ने कई बार सीमारेखा पर स्थानों के नाम घोषित किए हैं। चीन ने अगस्त 2019 में जम्मू–कश्मीर और लद्दाख को केंद्रशासित प्रदेश बनाए जाने का विरोध किया था। उसने पाकिस्तान के कहने पर सुरक्षा परिषद में चर्चा के लिए यह मुद्दा पेश किया था। लेकिन परिषद के स्थायी सदस्यों अमेरिका, फ्रांस, ब्रिटेन और रूस ने चीन का समर्थन नहीं किया था। सवाल उठता है, चीन थोड़े समय के अंतर से भारत की सीमा का अतिक्रमण क्यों करता है। दोनों देशों के बीच सीमा विवाद हल करने के लिए कई बार सहमति बन चुकी है। सैनिक कमांडरों के बीच बातचीत के 36 दौर हो चुके हैं। फिर भी, चीनी सेना दस्तक देती रहती है। रक्षा विशेषज्ञ इसके कई कारण बताते हैं। वह लगातार अतिक्रमण के जरिये थोड़ी–थोड़ी जमीन हड़पता है। उस इलाके पर अपने दावे को मजबूत और जीवंत बनाए रखता है। इसके सबूत लद्दाख, अरुणाचल में उसकी हलचल से मिलते हैं। ऐसा ही वह दूसरे देशों के साथ करता है। चीनी नौसेना के जहाज और गश्ती नौकाएं जापान, फिलीपीन्स, ताइवान के आसपास आक्रामक आवाजाही करती हैं। अपने दावे को ठोस बनाए रखने के अलावा चीन की विवादित गतिविधियों के कारण उसकी अंदरूनी स्थितियों में भी खोजे जा सकते हैं। इन दिनों उसकी माली हालत पतली है। इस समय दुनिया की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था गिरावट के दौर में है। लोगों की आमदनी कम होने की वजह से घरेलू उपभोक्ता मांग कमजोर है। प्रॉपर्टी बाजार लंबे समय से संकट में है। मकानों की बिक्री कम होने और कर्ज के बोझ से कई बड़ी हाउसिंग कंपनियां ध्वस्त हो चुकी हैं। ईरान युद्ध ने पेट्रोल, डीजल, गैस की कीमतों में इजाफा किया है। चीन दुनिया का सबसे बड़ा एनर्जी आयातक है। हालांकि इस साल जुलाई–सितंबर की तिमाही में विकास दर 4.5प्रतिशत रही। यह दूसरी तिमाही में 2022 के बाद सबसे कम 4.3प्रतिशत पर पहुंच गई थी। इस मामूली बढ़ोतरी में मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात की बड़ी भूमिका है। लेकिन घरेलू मांग में कमी को देखते हुए स्थिति कमजोर बने रहने के आसार ज्यादा हैं। पुराने दुश्मन भारत से सीमा विवाद की चिंगारी भड़काए रखने से जनता का ध्यान आर्थिक मुश्किलों से कुछ समय के लिए तो हटाया जा सकता है। एक और कारण है। सर्वोच्च नेता शी जिनपिंग अपने अगले पांच वर्षीय कार्यकाल के लिए सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की मुहर लगवाना चाहते हैं।

26 अक्टूबर से बीजिंग में शुरु हुए पार्टी के चार दिनी सत्र में इसकी भूमिका तैयार हो सकती है। 2028 में पांच साल में एक बार होने वाली पार्टी कांग्रेस से इसे मंजूरी मिलने की पूरी संभावना है। एक पार्टी और एक नेता के शासन वाले चीन में शी चौथी बार सर्वोच्च पद पर बने रहने वाले पहले नेता होंगे। भारत और दूसरे देशों के खिलाफ जरूरत से ज्यादा आक्रामक रवैये से शी को पार्टी खास कर पीएलए नेतृत्व के उग्र तबके की भावनाएं शांत रखने में मदद मिलेगी। चीन ने सीमा को गर्म रखने के अलावा कई अन्य मोर्चों पर भारत को नुकसान पहुंचाने के फैसले अभी हाल में किए हैं। वैसे, वह हमेशा भारत को कमजोर बनाने की कोशिश करता है। पाकिस्तान से उसकी गहरी दोस्ती का सबसे बड़ा कारण भारत ही है। अक्टूबर के महीने में चीन ने कई वस्तुओं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाए हैं। इनसे भारत सीधे प्रभावित होगा। उसने भारत को सोलर मैन्युफैक्चरिंग टेक्नालॉजी देने पर रोक लगा दी है। उसने मेट्रो रेल और हाईवे के निर्माण में काम आने वाली टनल बोरिंग मशीनरी (टीबीएम) के निर्यात पर अंकुश लगाया है। इससे भारत में कई कंस्ट्रक्शन प्रोजेक्ट प्रभावित हो सकते हैं। तीन हजार टन वजन की बोरिंग मशीन मुंबई–अहमदाबाद हाईस्पीड रेल कॉरिडोर जैसे प्रोजेक्ट के लिए अहम है। चीन 2024 के बाद से भारत को टीबीएम के निर्यात में देर कर रहा है। इस साल मार्च में तनाव कम होने के बाद मशीनों की सप्लाई शुरू हो गई। चीन ने अब नए सिरे से प्रतिबंध लागू किए हैं। चीन के व्यापार मंत्रालय का कहना है कि चीन से विवाद रखने वाले संवेदनशील देशों को टीबीएम और अन्य भारी मशीनरी का निर्यात करने के लिए लाइसेंस और पूर्व अनुमति जरूरी है।

जियो की छलांग और विकसित भारत की नई आर्थिक गाथा

ललित गर्ग

किसी राष्ट्र की प्रगति केवल ऊँची इमारतों, चमचमाती सड़कों और बढ़ते सकल घरेलू उत्पाद के आँकड़ों से नहीं आंकी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि उसकी उद्यमशीलता कितने लोगों के जीवन को बदलती है, तकनीक कितनी दूर तक पहुँचती है और आर्थिक शक्ति किस सीमा तक जनसामान्य की आकांक्षाओं को पंख देती है। भारत की विकास यात्रा में रिलायंस समूह और जियो की कहानी इसी व्यापक परिवर्तन की ओर ध्यान आकर्षित करती है। भारत के औद्योगिक इतिहास में टाटा समूह ने विश्वास, संस्थागत मूल्यों, सामाजिक उत्तरदायित्व और दीर्घकालीन दृष्टि की मजबूत विरासत निर्मित की है। दूसरी ओर, रिलायंस समूह ने बड़े पैमाने पर निवेश, बाजार की नब्ज पहचानने, तकनीक को जनसुलभ बनाने और नए क्षेत्रों में निर्णायक प्रवेश करने की क्षमता से अपनी अलग पहचान बनाई है। दोनों समूह भारतीय अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। ऐसे में रिलायंस का टाटा समूह से आगे निकलना किसी एक की पराजय और दूसरे की विजय भर नहीं है, इसे भारतीय उद्योग जगत में प्रतिस्पर्धा के नए अध्याय के रूप में देखना अधिक उचित होगा। जियो की यात्रा एक उल्लेखनीय उदाहरण है। भारतीय दूरसंचार क्षेत्र में प्रवेश के बाद उसने इंटरनेट सेवाओं को अधिक सुलभ बनाने, डेटा की कीमतों में व्यापक बदलाव लाने और डिजिटल गतिविधियों को आम नागरिक तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जियो की असली उपलब्धि केवल बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना नहीं, बल्कि डिजिटल अर्थव्यवस्था में भागीदारी का दायरा विस्तृत करना है।

रिलायंस की सफलता को मुकेश अंबानी के नेतृत्व में विकसित दीर्घकालीन कारोबारी दृष्टि, बड़े निवेश और बदलते समय के अनुरूप व्यवसाय का विस्तार करने की रणनीति के संदर्भ में समझना चाहिए। धीरूभाई अंबानी ने जिस उद्यमशीलता को व्यापक जनभागीदारी और पूँजी बाजार से जोड़ने की नींव रखी, उसे आगे बढ़ाते हुए समूह ने पेट्रोकेमिकल, ऊर्जा, खुदरा व्यापार और दूरसंचार जैसे विविध क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति मजबूत की। जियो ने इस विरासत को डिजिटल युग की आवश्यकताओं से जोड़ा। इस यात्रा का संदेश स्पष्ट है–समय के साथ जो नहीं बदलता, समय उसे पीछे छोड़ देता है, जो समय की आहट पहचान लेता है, वही भविष्य की दिशा तय करने लगता है। 28 अक्टूबर 2026 को जियो प्लेटफॉर्म्स की शेयर बाजार में ऐतिहासिक सूचीबद्धता ने इस यात्रा को नया आयाम दिया। लगभग 30,213 करोड़ रुपये के सार्वजनिक निर्गम के बाद कंपनी का बाजार पूँजीकरण 12.5 लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुँच गया और कारोबार के पहले दिन यह देश की दूसरी सबसे मूल्यवान सूचीबद्ध कंपनी बन गई। रिलायंस समूह की सूचीबद्ध कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्य भी टाटा समूह से आगे निकल गया। ये आँकड़े भारतीय पूँजी बाजार के बदलते स्वरूप और डिजिटल अर्थव्यवस्था में निवेशकों के विश्वास को दर्शाते हैं। लेकिन यह समझना भी जरूरी है कि बाजार पूँजीकरण कंपनियों के मूल्यांकन का पैमाना है, आम नागरिक की समृद्धि का नहीं। शेयर बाजार में ऊँचाई तभी सार्थक है, जब उसका लाभ अर्थव्यवस्था की जड़ों तक पहुँचे।

इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रदत्त अनंत अंबानी का भावपूर्ण वक्तव्य चर्चाओं में हैं, उन्होंने इस व्यावसायिक उपलब्धि को पारिवारिक संस्कारों और आध्यात्मिक संवेदना से जोड़कर अर्थ के साथ अध्यात्म के महत्व को उजागर किया है। उन्होंने कारोबार की तुलना पूजा से और शेयरों को प्रसाद की तरह देश के साथ साझा करने की भावना से की। उनके शब्दों में कृतज्ञता, पारिवारिक विरासत और लाखों ग्राहकों के योगदान की स्वीकृति थी। मुकेश अंबानी का भावुक होना भी इस बात का प्रतीक था कि किसी बड़ी उपलब्धि के पीछे वर्षों का परिश्रम, संघर्ष, विश्वास और पीढ़ियों के सपने जुड़े होते हैं। यहाँ एक विचार विशेष रूप से उल्लेखनीय है–व्यापार केवल लाभ कमाने की व्यवस्था नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास अर्जित करने का माध्यम भी है। जब कोई कंपनी अपनी सफलता में कर्मचारियों, तकनीशियनों, साझेदारों और उपभोक्ताओं के योगदान को स्वीकार करती है, तब उद्यम का मानवीय पक्ष सामने आता है। फलदार वृक्ष जितना ऊँचा होता है, उसकी शाखाओं में उतनी ही विनम्रता होनी चाहिए। यही विनम्रता किसी कारोबारी साम्राज्य को स्थायी प्रतिष्ठा प्रदान करती है। अनंत अंबानी की पशुसेवा और वन्यजीव संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता भी इसी व्यापक सामाजिक उत्तरदायित्व के संदर्भ में देखी जा सकती है। उद्योग की वास्तविक प्रतिष्ठा तब बढ़ती है, जब आर्थिक प्रगति के साथ जीवों के प्रति करुणा और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता भी आगे बढ़े।

दूरसंचार क्षेत्र की अग्रणी कम्पनी हिमाचल फ्यूचरिस्टिक कम्युनिकेशंस लिमिटेड (एचएफसीएल) के संस्थापक एवं उद्योगपति महेंद्र नाहटा ने जियो के ऐतिहासिक लॉन्चिंग समारोह में सहभागिता करते हुए इसे भारतीय आर्थिक शक्ति, तकनीकी प्रगति और आध्यात्मिक संवेदना का अनूठा संगम बताया। उनके अनुसार, जियो की यह उड़ान केवल एक कंपनी की व्यावसायिक उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल सामर्थ्य, उद्यमशीलता और वैश्विक नेतृत्व की आकांक्षा का प्रतीक है। उनके अनुसार अनंत अंबानी के आशीर्वाद, संस्कार और जनभागीदारी से जुड़े भावपूर्ण उद्बोधन ने इस आयोजन को मानवीय संवेदनाओं की विशिष्ट ऊँचाई प्रदान की। निस्संदेह, जियो की यह उड़ान नए भारत के आत्मविश्वास, नवाचार और विकसित भारत के संकल्प को नई ऊर्जा देने वाला ऐतिहासिक अध्याय है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया, डिजिटल भुगतान, आधारभूत डिजिटल सुविधाओं और उद्यमशीलता को प्रोत्साहन देने वाली पहलों ने देश के तकनीकी परिवर्तन के लिए अनुकूल वातावरण बनाया है। इस विकास में सरकार की नीतियों, निजी क्षेत्र के निवेश, वैज्ञानिक प्रतिभा और करोड़ों नागरिकों की भागीदारी का साझा योगदान है। जियो ने इस वातावरण का उपयोग करते हुए डिजिटल संपर्क का विस्तार किया। भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य भी इसी व्यापक विकास यात्रा का हिस्सा है। परंतु आर्थिक आकार के साथ प्रति व्यक्ति आय, गुणवत्तापूर्ण रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा में सुधार भी उतना ही आवश्यक है। आगे की चुनौती और भी बड़ी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, बादल आधारित संगणना, अंतरिक्ष से संपर्क और नई डिजिटल सेवाओं में निवेश भारत के लिए व्यापक अवसर पैदा कर सकता है। मगर तकनीक का लाभ तभी समावेशी होगा, जब ग्रामीण क्षेत्रों में मजबूत संपर्क, डिजिटल साक्षरता, साइबर सुरक्षा और व्यक्तिगत आँकड़ों की गोपनीयता सुनिश्चित की जाएगी।

दिव्या दत्ता : मुश्किल में होती हूं तो मां का अदृश्य हाथ मुझे थाम लेता है, औरतें पहले खुद को संभालें, फिर बोलें

बॉलीवुड और ओटीटी की दुनिया में अपनी फिल्मों से अपनी अलग छाप छोड़ने वाली एक्ट्रेस दिव्या दत्ता अपनी श्लास्ट मैन इन टावरश को लेकर चर्चे में हैं। उन्होंने औरतों से लेकर मनोज बाजपेयी संग काम करने को लेकर बात की है।तकरीबन 30 साल इंडस्ट्री में बिताने वाली दिव्या दत्ता अपने करियर में नैशनल अवॉर्ड की हकदार भी रहीं। अनगिनत भूमिकाएं जी चुकीं दिव्या पिछले दिनों श्चिड़ियाश में अपने रोल के लिए खूब सराही गईं। इन दिनों मनोज बाजपेयी के साथ वे श्लास्ट मैन इन टावरश की सशक्त भूमिका से चर्चा में हैं। उनसे एक खास मुलाकात। आज भी मां से बातें करती हूं दिव्या दत्ता के लिए उनकी मां बहुत बड़ी इंस्पिरेशन रही हैं। उनकी मां के गुजर जाने के बाद वे लंबे समय तक अवसाद में रहीं, मगर आज भी वे अपनी मां को अपने करीब महसूस करती हैं। वे कहती हैं, श्मुझे लगता है कि मां के साथ का रिश्ता हर किसी के लिए अनकंडीशनल होता है, जहां आपको कुछ जताने की, बताने की जरूरत महसूस नहीं होती। आज वो हमारे बीच नहीं हैं, मगर आज भी मैं उनसे बात करती हूं। वो एक जो स्ट्रेंथ है, वो बाहर से ड्राइव करती थीं, आज वो अंदर से आती है। सवाल हजार उठते हैं, कन्फ्यूजन होता है, कई बार लगता है ये रोल करूं या न करूं, कई बार कश्मकश के हालात पैदा होते हैं, मगर फिर मुझे जवाब मिल जाता है। जिंदगी में धक्के लगने पर संभालते हैं कुछ लोग उन्होंने कहा, श्मैं समझती हूं कि जिनसे आप जने होते हैं अर्थात जिनसे आपका जन्म हुआ होता है, आप वो अवसान के बाद भी कहीं नहीं जाते। वो तो आपके आसपास ही रहते हैं। जब भी आप मुश्किल में होते हैं, कहीं न कहीं आपका हाथ थाम लेते हैं। जब जिंदगी में आपको कुछ धक्के लगते हैं, तब वो कार के सस्पेंशन टायर की तरह आपको संभाल लेते हैं।श औरतें पहले खुद को संवारें हाल ही में रिलीज हुई दिव्या की फिल्म लास्ट मैन इन टावर में दिव्या ने एक ऐसी महिला का किरदार निभाया है, जो जिंदगी से थक चुकी है और अब अपनी खुशियों के लिए किसी भी हद तक जा सकती है। एक औरत की निजता, उसका मी टाइम और उसके ख्वाब कितने जरूरी हैं? इस पर दिव्या दत्ता कहती हैं, श्हम महिलाओं की कंडीशनिंग ही ऐसी हुई है कि हम दूसरों के बारे में पहले सोचते हैं। हमारे मल्टीटास्किंग होने की जद्दोजहद में हम महिलाएं जीना भूल जाती हैं कि मेरे क्या ख्वाब हैं? मुझे क्या अच्छा लगता है? मुझे याद है, कोविड में हम बैडमिंटन खेला करते थे, तो एक दिन मैंने सोसायटी की एक आंटी से कहा कि वो भी बैडमिंटन खेलने आएं। वो बोलीं, श्मैं बचपन में खेला करती थी, अब कहां?श तो ये जो श्अब कहां?श है न ये महिलाओं की सबसे बड़ी रुकावट है। कई बार मुझे समझ नहीं आता, श्अब कहां?श यानी क्या?श अपने आसपास की अपनी दुनिया को संवारने के लिए बहुत जरूरी है कि आप खुद को संवारें। आप खुद खुश हों, जरूरी नहीं कि वो कोई बहुत बड़ी खुशी हो। अपने आप को बहुत सीरियसली लेना जरूरी नहीं है लाइफ में। हम लोग अपने रोल मॉडल होने के लिए बहुत कुछ करते हैं, मगर खुद को भूल जाते हैं। मुखौटे पहनकर ट्रोलिंग की जाती है सोशल मीडिया को हैंडल करने के मुद्दे पर वे कहती हैं, श्हर चीज के फायदे–नुकसान दोनों होते हैं। आज दुनिया सिमट गई है। फायदा ये है कि आप अगर अपने काम के बारे में कुछ शेयर करना चाहते हैं, तो खबर तुरंत पूरी दुनिया में फैल जाती है। आपको तुरंत रिस्पॉन्स आज आता है। मैं इस मामले में बहुत खुशकिस्मत हूं कि मुझे ट्रोलिंग का सामना नहीं करना पड़ा, मगर जो लोग मुखौटे पहनकर सोशल मीडिया पर ट्रोल करते हैं, उन्हें इग्नोर करना बेहतर होता है। आप चाहे मिसोजनी की बात करें या आम ट्रोलिंग की, उस पर रिएक्ट करना है या उसे इग्नोर करना है, ये हमारे हाथ में होता है। हमारी शांति उसी में है कि हम अपना काम करते रहें और लगातार उसी पर फोकस करें। सोशल मीडिया पर एक पर्सेंट लोग आपको ट्रोल करना चाहते होंगे, बाकी के 99 फीसदी लोग आपको बहुत प्यार करते हैं, जो आपके ट्रोल्स से वही पर भिड़ जाते हैं। वहां पर अनगिनत लोग आपके लिए खड़े भी होते हैं, तो हमें अपना अच्छा काम करते रहना है।श मनोज बाजपेयी के साथ काम करने का मौका श्मैंने लास्ट मैन इन टावर से पहले भी मनोज बाजपेयी के साथ वीर जारा, स्पेशल छब्बीस, एलओसी कारगिल, ट्रैफिक आदि में काम किया था, मगर हमारे कभी भी कोई सीन साथ में नहीं रहे। लास्ट मैन इन टावर में मुझे पहली बार मनोज बाजपेयी जैसे जादू को महसूस करने का मौका मिला। उनके साथ काम करके बहुत मजा आया। बहुत जल्द हम एक और फिल्म में साथ दिखेंगे।श

कृति खरबंदा के जन्मदिन पर याद करें उनकी ये 6 ऑन–स्क्रीन जोड़ियां, रोमांस से कॉमेडी तक दिखा अलग अंदाज

अभिनेत्री कृति खरबंदा ने अपनी फिल्मों के जरिए रोमांस, कॉमेडी और ड्रामा जैसे अलग–अलग जॉनर में काम किया है। उनके जन्मदिन के मौके पर नजर डालते हैं उन छह फिल्मों पर, जिनमें उनकी जोड़ी अलग–अलग अभिनेताओं के साथ बनी। इन फिल्मों में कहीं रिश्तों की उलझनें देखने को मिलीं, तो कहीं प्यार, हंसी और भावनाओं से जुड़ी कहानियों ने दर्शकों का ध्यान खींचा। फिल्म 'राज रीबूट' में कृति खरबंदा इमरान हाशमी के साथ नजर आई थीं। हॉरर और सस्पेंस से भरपूर इस फिल्म में एक शादीशुदा रिश्ते के बीच रहस्यमयी घटनाएं सामने आती हैं। फिल्म की कहानी ने कृति को रोमांटिक भूमिकाओं से अलग एक ऐसे माहौल में काम करने का मौका दिया, जहां डर, रहस्य और रिश्तों की परेशानियां साथ–साथ चलती हैं।'गेस्ट इन लंदन' में कृति और कार्तिक आर्यन की जोड़ी ने रोमांटिक कॉमेडी का रंग दिखाया। फिल्म में रहने की एक अनपेक्षित व्यवस्था से ऐसी परिस्थितियां बनती हैं, जो किरदारों की जिंदगी में हास्य और उलझनें लेकर आती हैं। दोनों कलाकारों ने कहानी में रोमांस और हल्के–फुल्के मनोरंजन का मेल पेश किया। कॉमेडी फिल्म 'पागलपंती' में कृति खरबंदा और पुलकित सम्राट की जोड़ी नजर आई थी। फिल्म में दोनों के बीच की केमिस्ट्री के साथ उनकी असल जिंदगी की प्रेम कहानी भी इस जोड़ी को खास बनाती है। साथ काम करने के दौरान दोनों करीब आए और उनका रिश्ता आगे बढ़कर शादी तक पहुंचा। यही वजह है कि पर्दे पर उनकी जोड़ी को उनके प्रशंसक निजी जिंदगी के सफर से जोड़कर भी देखते हैं। 'शादी में जरूर आना' में कृति खरबंदा ने आरती शुक्ला का किरदार निभाया था, जबकि राजकुमार राव उनके साथ मुख्य भूमिका में थे। फिल्म प्यार, करियर की महत्वाकांक्षाओं, रिश्तों में आई दरार और कठिन फैसलों के इर्द–गिर्द घूमती है। कहानी में दोनों किरदारों के बीच बदलते रिश्ते कई भावनात्मक मोड़ लाते हैं। कृति के किरदार की जिंदगी में आने वाले उतार–चढ़ाव फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाते हैं। फिल्म '14 फेरे' में कृति खरबंदा ने अदिति करवसरा की भूमिका निभाई थी और विक्रांत मैसी उनके साथ नजर आए। कहानी प्यार के साथ परिवार की उम्मीदों और सांस्कृतिक मतभेदों से पैदा होने वाली चुनौतियों को सामने लाती है। फिल्म में रोमांस और कॉमेडी के जरिए दिखाया गया है कि जब दो लोग साथ जिंदगी बिताना चाहते हैं, तो उन्हें पारिवारिक परिस्थितियों के बीच किस तरह रास्ता निकालना पड़ता है। फिल्म 'कारवां' में कृति खरबंदा रुमाना के किरदार में दिखाई दी थीं, जो अविनाश की पूर्व प्रेमिका होती है। फिल्म में उनकी भूमिका सीमित थी, लेकिन दुलकर सलमान के साथ उनकी मौजूदगी कहानी में एक अलग पहलू जोड़ती है। यह जोड़ी भले ही पर्दे पर ज्यादा समय तक नजर नहीं आई, लेकिन फिल्म में उनकी मुलाकात ने दर्शकों के सामने किरदारों के पुराने रिश्ते की झलक पेश की।

बॉलीवुड एक्टर सलमान खान दुबई में आयोजित 'ब्यूटीवर्ल्ड मिडिल ईस्ट' इवेंट में शामिल हुए। यहां उन्होंने रसासी परफ्यूम्स के नए ब्रांड को अनवील किया। इस दौरान उनसे मिलने कई पाकिस्तानी फैंस भी पहुंचे। इवेंट की रिपोर्ट्स के मुताबिक, सलमान खान तय समय से दो घंटे देर से पहुंचे और ब्रांड अनवील करने के तुरंत बाद बिना कोई भाषण दिए वहां से निकल गए। उन्होंने जुटी भीड़ को संबोधित नहीं किया, जिसके चलते घंटों इंतजार कर रहे कई फैंस को बिना झलक देखे ही लौटना पड़ा। बाद में वे कैजुअल टी–शर्ट में अपनी टीम के साथ एक मॉल में घूमते नजर आए। इवेंट में पहुंचीं पाकिस्तान की महा नूर ने मीडिया से बातचीत में बताया कि वे सलमान खान की बहुत बड़ी प्रशंसक हैं। महा नूर ने कहा कि वे एक्टर के लेट आने की वजह से उनकी एक झलक देखने से चूक गईं। इसके बावजूद सलमान के प्रति उनका लगाव कम नहीं हुआ।

शबिग बॉसश फेम अर्चना गौतम अक्सर किसी न किसी वजह से चर्चा में रहती हैं. अब एक्ट्रेस एक बार फिर सुर्खियों में हैं. दरअसल, अर्चना गौतम के मुंबई स्थित कैफे श्ओए चुरोसश में दिन दहाड़े चोरी हो गई. चोर उनके कैफे का पूरा कैश काउंटर ही उठाकर ले गया. इस घटना की जानकारी खुद अर्चना ने सोशल मीडिया के जरिए अपने फैंस को दी है. अर्चना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर चोरी का ब्ज्ट फुटेज शेयर किया है. वीडियो में एक शख्स कैश काउंटर के पास नजर आ रहा है. एक्ट्रेस ने लोगों से अपने घर और बिजनेस की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने की अपील की है. उन्होंने बताया कि इस मामले में थ्ट दर्ज करा दी गई है और मुंबई पुलिस इसकी जांच कर रही है. श्मैंने इस कैफे को बहुत प्यार और मेहनत से बनाया है...श अर्चना ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, श्मेरे कैफे श्ओए चुरोसश में चोरी की ये ब्ज्ट फुटेज आप सभी के साथ शेयर कर रही हूं, ताकि आप भी सतर्क रहें और अपने घर और बिजनेस की सुरक्षा का ध्यान रखें.श बिग बॉसश फेम अर्चना गौतम के कैफे में दिन दहाड़े चोरी, पूरा कैश काउंटर उठा ले गया चोर उन्होंने आगे लिखा, श्मैंने इस कैफे को बहुत प्यार और मेहनत से, अपनी जमा–पूंजी लगाकर बनाया है. एक–एक चीज मैंने खुद मेहनत से जोड़ी है. लेकिन एक चोर मेरे कैफे में घुसकर पूरा कैश काउंटर ही उठाकर ले गया. मैंने इस मामले की थ्ट दर्ज करा दी है और मुंबई पुलिस से विनम्र अनुरोध है कि इस व्यक्ति को जल्द से जल्द तलाश कर उचित कानूनी कार्रवाई की जाए. श्इमोशनल हुईं अर्चना गौतम अर्चना ने आगे कहा, श्मुंबई हमेशा से मुझे एक सुरक्षित शहर लगा है, इसलिए इस घटना ने मुझे बहुत दुखी किया है. आप सभी से बस यही अनुरोध है– सतर्क रहें, सुरक्षित रहें और अपने आसपास की सुरक्षा का ध्यान रखें. श 2025 में हुई थी श्ओए चुरोसश कैफे की शुरुआत बता दें कि अर्चना गौतम ने अक्टूबर 2025 में मुंबई में अपना कैफे श्ओए चुरोसश लॉन्च कर फूड बिजनेस में कदम रखा था. अंधेरी वेस्ट में वर्सोवा मेट्रो स्टेशन के पास स्थित ये कैफे 9 अक्टूबर 2025 को खुला था।

बड़ी नहीं छोटी-छोटी चीजों पर करें फोकस, खुशहाल और स्वस्थ बनेगा रिश्ता

छोटे प्रयासों में एक-दूसरे को समझना, कठिन विषयों पर बातचीत करना शामिल है। जब आप रिश्ते में छोटी-छोटी चीजों पर ध्यान देने लगते हैं तब आपके और आपके पार्टनर के बीच एक अलग साझेदारी बनती हैं, जो आप दोनों के बीच के संबंध को बेहतर और मजबूत बनाने का काम करती है।

किसी भी रिश्ते को स्वस्थ और बेहतर बनाने के लिए किस चीज की जरूरत होती है? आसान सा जवाब है प्रयासों की। रिश्ते को बेहतर बनाने के लिए जब प्रयास करने की बात आती है तो लोग अपना सारा ध्यान बड़ी चीजों पर केंद्रित कर देते हैं। हालाँकि, ऐसा जरुरी नहीं है। छोटे और आसान प्रयासों से भी रिश्ते को स्वस्थ और बेहतर बनाया जा सकता है। कैसे? छोटे प्रयासों में एक–दूसरे को समझना, कठिन विषयों पर बातचीत करना शामिल है। जब आप रिश्ते में छोटी–छोटी चीजों पर ध्यान देने लगते हैं तब आपके और आपके पार्टनर के बीच एक अलग साझेदारी बनती हैं, जो आप दोनों के बीच के संबंध को बेहतर और मजबूत बनाने का काम करती है। चलिए आपको बताते हैं कौन–कौन सी छोटी चीजें आपके रिश्ते को मजबूत बनाने में मदद करती हैं। पार्टनर के साथ धैर्य बरतना जरुरी– हमारे पास अपने पार्टनर का दिमाग पढ़ने की शक्ति नहीं है और ना ही उनके पास ये शक्ति है। इसलिए एक–दूसरे के साथ धैर्य बरतना बेहद ही जरुरी है। कई बार रिश्ते कठोर समय से गुजरते हैं, इसलिए खुद को या अपनी बातों को पार्टनर पर थोपने की कोशिश न करें। इन चीजों से रिश्ते अच्छे और मजबूत होते हैं। पार्टनर की बातों को सुनने और समझने की कोशिश करें– अगर आपका पार्टनर आपसे कुछ कह रहा है तो उनकी बातों को सुने और समझने की कोशिश करें। बात करने के दौरान पार्टनर को बीच के टोकने की गलती न करें। पार्टनर की बातों को समस्या का हल निकालने के लिए सुनने की कोशिश न करें। कई बार लोग अपने दिल को हल्का करने के लिए अपने पार्टनर से बातचीत करते हैं। इसलिए बिना कुछ कहे बस पार्टनर की बातों को सुनें। पार्टनर पर ध्यान देते रहे– हर किसी को अपने पार्टनर को पर्सनल स्पेस देना चाहिए, लेकिन इसका मतलब ये नहीं है कि आपकी मौजूदगी उनकी जिंदगी में ना के बराबर हो जाए। इसलिए बीच–बीच में टॉक्सिक हुए बिना अपने पार्टनर को अपनी मौजूदगी का एहसास करवाते रहें। इन छोटी–छोटी चीजों से रिश्ते बेहतर होते जायेंगे।

शरीर में आयरन की कमी होने पर दिखते हैं ऐसे लक्षण, इन फूड्स के साथ करें दूर

शरीर के लिए पोषक तत्व बेहद जरुरी होते हैं। इनकी कमी होने पर शरीर में कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं होने लगती हैं। पोषक तत्वों की बात करें तो आयरन भी उन्हीं में से एक है। आयरन एक ऐसा जरुरी पोषक तत्व है जो पूरे शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने का कार्म करता है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, आयरन हीमोग्लोबिन का एक महत्वपूर्ण घटक माना जाता है। इसकी कमी होने पर शरीर में स्वस्थ लाल रक्त कोशिकाएं नहीं बन पाती। लाल रक्त कोशिकाओं की कमी के कारण आयरन की कमी होने लगती है जिसे एनीमिया कहते हैं। भारत में पुरुषों की तुलना में महिलाओं में एनीमिया की समस्या ज्यादा होती है। तो चलिए आज आपको बताते हैं इसकी कमी होने पर शरीर में क्या संकेत दिखते हैं और आप कैसे कमी को पूरा कर सकते हैं। आइए जानते हैं....

क्या होती है आयरन की कमी?

आयरन की कमी से दुनियाभर में कई लोग जूझ रहे हैं। यह किसी भी उम्र के व्यक्ति को हो सकती है। मुख्य तौर पर बच्चों को, गर्भवती महिलाओं को, पीरियड्स के दौरान और किडनी डायलिसिस करवाने वाले मरीजों के शरीर में इसकी कमी हो सकती है। आपको बता दें कि शरीर आयरन खुद नहीं बनाता इसके कमी पूरी करने के लिए आपको डाइट में कुछ हेल्दी चीजें शामिल करने की जरुरत होती है। ऐसे में आजकल के खराब खान–पान के चलते अक्सर कई लोग आयरन की कमी का शिकार हो रहे हैं।

किस वजह से होती है आयरन की कमी?

आयरन की कमी तीन मुख्य कारणों से होती है जिसमें से पहला है खाने में आयरन युक्त पदार्थ शामिल न करना। आयरन अवशोषित करने में परेशानी होना आदि। इन सभी कारणों की वजह से शरीर में आयरन की मात्रा कम हो सकती है।

लक्षण

इसके कमी होने पर शरीर में कई लक्षण नजर आते हैं जैसे

. कमजोरी
. थकान
. स्किन का पीला पड़ना
. सांस लेने में परेशानी
. बेहोशी
. सिरदर्द
. दिल की धड़कन बढ़ना
. छाती में दर्द
. हाथ पैर ठंडे होना
. बालों का झड़ना
. मुंह के किनारों का फट जाना
. गले में खराश
. सूजी हुई जीभ

किन फूड्स से पूरी करें कमी

आयरनर की कमी होने पर आप डाइट में सी फूड, साबुत अनाज, बीज, फलियां, हरी पत्तेदार सब्जियां, चिकन, अंडे, मछली, हरे मटर, ब्रोकली, ब्रेसल्स स्प्राउट्स आदि शामिल कर सकते हैं।

क्या न खाएं?

इसके अलावा आयरन की कमी होने पर कुछ फूड्स से परहेज करें। यह चाय, कॉफी, शराब जैसे पदार्थों से परहेज करें इनमें कैल्शियम और फाइबर काफी ज्यादा मात्रा में मौजूद होते हैं।

स्वाद में बेहद लाजवाब है यह बंगाली स्वीट डिश, नोट कर लें रेसिपी

अगर आप भी अपने दोस्तों और परिवार के लिए कुछ खास बनाकर खिला सकते हैं। तो आप इस बार बंगाल की लोकप्रिय मिठाई चमचम बना सकती हैं। आइए जानते हैं कि आप इसे घर पर कैसे बनाकर तैयार कर सकते हैं।

चमचम एक लोकप्रिय बंगाली मिठाई है। इस मिठाई को छेना/पनीर और दूध से बनाया जाता है। बता दें यह मिठाई कई तरह के रंगों में आती हैं। इस मिठाई को चमचम या चोमचोम कहा जाता है। यह मिठाई काफी मुलायम और मलाईदार होती है। इस मिठाई को त्योहारों पर या फिर किसी विशेष अवसर पर बनाया जाता है। हांलाकि मीठा खाना पसंद करने वाले लोगों के यहां फ्रिज में यह मिठाई अक्सर आपको मिल जाएगी। लेकिन प्यार से तैयार किए गए व्यंजन का अपना अलग ही स्वाद होता है। यह एक बेहद स्वादिष्ट मिठाई है। ऐसे में आप भी अपने दोस्तों पर परिवार के सदस्यों को यह मिठाई बनाकर खिला सकती हैं। आइए जानते हैं कि आप इसे घर पर कैसे बनाकर तैयार कर सकते हैं।

बंगाली स्टाइल स्वीट छो चोम की सामग्री
पनीर– 2 कप
पिसी चीनी– 2 कप
घी– 1 बड़ा चम्मच
पानी– 2 कप
मिल्क पाउडर– 1/2 कप
मैदा– 1 बड़ा चम्मच
हरी इलायची– 2 पिसी हुई
केसर– 1/4 छोटा चम्मच
दूध– 1 कप

ऐसे बनाकर करें तैयार

सबसे पहले पनीर लें और उसमें एक टेबल स्पून मैदा डालकर अच्छे से मिक्स करें। फिर इसे मुलायम आटे की तरह गूंथ लें। आटे की छोटी सी लोई लेकर उसको गोल आकार दे दें। इस प्रक्रिया को दोहराएं और आटे की जितनी चाहें उतनी बॉल बना लें। इसके बाद कड़ाही में दो कप पानी और एक कप चीनी डालें। चीनी के घुलने तक इसको उबालते रहें। फिर दो इलायची डालकर चाशनी में तैयार बॉल्स डालें। अब चाशनी को धीरे–धीरे घुमाएं। फिर इस पर एक ढक्कन बंद करके 10 मिनट के लिए रख दें और पूरी तरह से इसे ठंडा होने दें। अब एक कढ़ाही में एक चम्मच घी डालिए फिर घी के पिघलने पर एक छोटा कप दूध डाल दें। इसके बाद मिल्क पाउडर को मिक्स कर दीजिए। इसको अच्छे से चलाएं ताकि कोई गांठ ना बनने पाए। फिर दूध में केसर और पिसी चीनी को मिला लें। इस मिश्रण को गाढ़ा कर लें और यह कढ़ाही में चिपके ना। इस तरह से खोया बनकर तैयार हो जाएगा। इसके बाद पनीर के गोले को काटकर उसमें थोड़ा सा खोया भर दीजिए। फिर पनीर बॉल्स को चाशनी में डाल दें। एक बार सेट हो जाने के बाद सर्विंग प्लेट में डालकर परोसें। इस आसान तरीके से बंगाली स्टाइल चमचम बनकर तैयार हो जाएगा।

हैवी वर्कआउट नहीं, ये सपोर्ट्स है 1 बच्चे की मां असिन का फिटनेस सीक्रेट!

बॉलीवुड एक्ट्रेस असिन थोट्टूमकल आज अपना 38वां जन्मदिन मना रही हैं। बेहद चुलबुली एक्ट्रेस आज भले ही फिल्मी परदे से दूर हैं पर फिर भी बेहद फिट हैं। वहीं उनकी स्किन भी बहुत क्लीयर और फाइन है। चलिए आज आपको बताते हैं एक्ट्रेस का फिटनेस सीक्रेट....

असिन का फिटनेस सीक्रेट है बैडमिंटन

एक्ट्रेस जहां हेल्दी डाइट और रुटीन के साथ जिम जाती हैं, वहीं खुद को फिट रखने के लिए बैडमिंटन भी खेलती हैं। कार्डियो एंड लाइट वेट एक्सरसाइज करना पसंद करती हैं।

पीती हैं ढेर सारा कोकोनट वॉटर और फ्रेश जूस

एक्ट्रेस लिक्विड डाइट की दिवानी हैं, वो कोकोनट वॉटर और फ्रेस जूस भी भरपूर मात्रा में पीती हैं। ऐसे वो खुद को हाइड्रेटिड रखती हैं और चेहरे पर चमत बनी रहती है।

आर्युवेदिक फेस मसाज

असिन त्वचा की नेचुरल शाइन कायम रखने के लिए आर्युवेदिक मसाज करवाना पसंद करती हैं। पार्लर जाकर फेस मसाज करवाने की बजाय असिन महीने में दो बार आर्युवेदिक फेस मसाज करवाती हैं।

लाइट मेकअप

एक्ट्रेस को ज्यादा मेकअप करना पसंद नहीं है। इसलिए वो बहुत ही लाइट मेकअप करती हैं। रात को सोने से पहले वो अपना मेकअप जरूर हटा लेती हैं। एक्ट्रेस कहती हैं मेकअप लगाकर सोने से चेहरे के पोर्स बंद हो जाते हैं, त्वचा खुलकर सांस नहीं ले पाती है और पिंपल्स आते हैं।

चंदन का फेस पैक करती हैं इस्तेमाल

महंगे ट्रीटमेन्ट्स लेने के बजाए एक्ट्रेस हफ्ते में 1 बार चेहरे पर चंदन लगाती हैं। इससे चेहरे की कोमलता बरकरार रहती है।

संक्षिप्त

सेबी का ध्यान पूंजी बाजार को सुगम बनाने और निवेशकों की सुरक्षा पर: तुहीन कांता पांडेय

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के चेयरमैन तुहीन कांता पांडेय ने शनिवार को कहा कि नियामक देश के पूंजी बाजारों को अधिक सुगम, कुशल और लचीला बनाने के लिए लगातार काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि सेबी का मुख्य ध्यान पूंजी निर्माण को सुगम बनाने, कारोबारी सुगमता में सुधार करने और निवेशकों की सुरक्षा को मजबूत करने पर है। उन्होंने यहां भारत चौंबर ऑफ कॉमर्स इन्वेस्टर्स फोरम में पूंजी बाजार के विस्तार पर कहा कि पिछले दशक में बाजार पूंजीकरण में जोरदार वृद्धि हुई है, जिसमें कंपनियां इक्विटी और ऋण निर्गमों के जरिये सालाना औसतन 10 लाख करोड़ रुपये से अधिक जुटा रही हैं। उन्होंने कहा, हम व्यवसायों के लिए बाजारों को लगातार मजबूत कर रहे हैं। साथ ही उतनी ही प्राथमिकता निवेशकों की सुरक्षा भी है। विश्व स्तरीय बाजार न केवल सामान्य समय में कुशल होने चाहिए, बल्कि तनाव के दौरान भी लचीले होने चाहिए। पांडेय ने कहा कि ये उद्देश्य एक–दूसरे का समर्थन करते हैं। उन्होंने बताया कि पूंजी बाजार में पश्चिम बंगाल की भागीदारी काफी बढ़ गई है, और यहां निवेशकों की संख्या वित्त वर्ष 2014–15 के लगभग 12 लाख से बढ़कर आज 90 लाख से अधिक हो गई है, जिनमें से लगभग 36 प्रतिशत युवा निवेशक 30 वर्ष से कम आयु के हैं।

आईजीएल का शुद्ध लाभ दूसरी तिमाही में 93.5% घटा, गैस लागत बढ़ने से मार्जिन पर पड़ा असर

देश की सबसे बड़ी शहरी गैस वितरक इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में उसका एकल शुद्ध लाभ 93.5 प्रतिशत घट गया। कंपनी ने बताया कि गैस लागत में भारी वृद्धि ने मार्जिन को कम कर दिया, जिससे उच्च बिक्री मात्रा और राजस्व का प्रभाव बेअसर हो गया। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि अधिक बिक्री मात्रा और 26 प्रतिशत की सकल कारोबार वृद्धि के बावजूद दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ एक साल पहले के 372. 51 करोड़ रुपये) से गिरकर 24.38 करोड़ रुपये रह गया। आईजीएल ने कहा कि उसकी औसत दैनिक गैस बिक्री पहली बार एक करोड़ मानक घन मीटर प्रति दिन के आंकड़े को पार कर गई, जो पिछले साल की इसी अवधि में 93.1 लाख मानक घन मीटर प्रति दिन थी। समीक्षाधीन अवधि में सकल बिक्री कारोबार 4,431.63 करोड़ रुपये से बढ़कर 5,999.13 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान सीएनजी की मात्रा में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पाइप से आने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) की बिक्री में आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई। आईजीएल ने एक बयान में कहा कि उसने सरकार के पीएनजी ड्राइव 3.0 के तहत पारंपरिक ईंधनों के स्थान पर प्राकृतिक गैस का इस्तेमाल बढ़ाने के लिए दिल्ली–एनसीआर में 22 रेलवे प्रतिष्ठानों को पीएनजी की आपूर्ति करने के लिए उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल के साथ एक समझौता किया है। बयान के मुताबिक यह समझौता शुरू में प्रति दिन लगभग 3,000 मानक घन मीटर गैस (एससीएमडी) की आपूर्ति करेगा, जो प्रतिदिन लगभग 500 किलोग्राम तरल पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) और 2,500 लीटर डीजल की जगह लेगा। आईजीएल के चेयरमैन शुभंकर सेन ने कहा, यह साझेदारी राष्ट्र निर्माण के लिए प्रतिबद्ध दो बड़े संगठनों को एक साथ लाती है। भारतीय रेलवे ने एलपीजी के स्थान पर पीएनजी का उपयोग करने के लिए आईजीएल को अपने सहयोगी भागीदार के रूप में चुना है और यह समझौता ज्ञापन (एमओयू) बड़ी मात्रा एलपीजी की जगह प्राकृतिक गैस के इस्तेमाल को सुगम बनाएगा।

चांदी की कीमत दिल्ली सर्राफा बाजार में 8,300 रुपये टूटी, 11 महीने के निचले स्तर पर पहुंची

राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में शुक्रवार को चांदी की कीमत 8,300 रुपये लुढ़ककर करीब 11 महीने के निचले स्तर 1.90 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में तेज गिरावट के कारण कीमती धातुओं में बिकवाली से चांदी के दाम टूटे। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99. 9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 1,300 रुपये टूटकर 1,45,200 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) पर रहा। बृहस्पतिवार को इसका भाव 1,46,500 रुपये प्रति 10 ग्राम था। पिछले कारोबारी सत्र में मामूली बढ़त दर्ज करने के बाद चांदी में गिरावट आई। चांदी का भाव 8,300 रुपये गिरकर 1,90,200 रुपये प्रति किलोग्राम रहा, जबकि पिछले कारोबारी सत्र में यह 1,98,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुआ था। चांदी का भाव इससे पहले 10 दिसंबर, 2025 को इस स्तर के आसपास था। उस समय इसकी कीमत 1.92 लाख रुपये प्रति किलोग्राम दर्ज की गई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में जिंस मामलों के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा, ''वैश्विक स्तर पर प्रतिकूल कारकों के कारण बाजार धारणा प्रभावित होने से शुक्रवार को घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में गिरावट जारी रही।'' पीएल कैपिटल के कमोडिटी प्रमुख आशीष राजोदिया के अनुसार, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, मुद्रास्फीति की चिंताओं और अमेरिका में मौद्रिक नीति के और सख्त होने की आशंकाओं के कारण सर्राफा बाजार पर दबाव पड़ा, जिससे चांदी की कीमत भी गिरकर 11 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई। चांदी इससे पहले 10 दिसंबर, 2025 को 1.92 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर थी। वैश्विक बाजारों में हाजिर सोना 4,000 डॉलर प्रति औंस के स्तर से नीचे आ गया। यह 122.06 डॉलर यानी 3.04 प्रतिशत गिरकर 3,899.33 डॉलर प्रति औंस पर रहा। चांदी की कीमत भी 50 डॉलर प्रति औंस के स्तर से नीचे आ गई।

यह 3.1 डॉलर यानी छह प्रतिशत गिरकर 49.06 डॉलर प्रति औंस पर आ गई, जो इसका 11 महीने का निचला स्तर है। इससे पहले चांदी 21 नवंबर, 2025 को 50 डॉलर प्रति औंस पर थी।

पांचवें मैच की प्लेइंग XI में बदलाव संभव, संजू सैमसन होंगे बाहर

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टी20 मैच के लिए भारतीय टीम अपनी प्लेइंग इलेवन में बदलाव कर सकती है। सीरीज में 3–1 की अजेय बढ़त के बावजूद पिछले मैच में मिली हार के बाद संजू सैमसन की जगह वैभव सूर्यवंशी की वापसी संभव है। वहीं गेंदबाजी को मजबूत करने के लिए कुलदीप यादव या वरुण चक्रवर्ती को शामिल किया जा सकता है। अपने स्थापित खिलाड़ियों का हमेशा समर्थन करने वाला भारतीय टीम प्रबंधन आकलैंड में पिछले मैच में मिली हार के बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ रविवार को पांचवें और आखिरी टी20 मैच में अंतिम एकादश में बदलाव कर सकता है। भारत ने श्रृंखला में 3 . 1 की अजेय बढत बना ली है लेकिन विश्व चौम्पियन टीम पांच मैचों की श्रृंखला से आखिरी मैच हारकर विदा नहीं लेना चाहेगी। ऐसे में वैभव सूर्यवंशी की वापसी संभव है और उस दशा में संजू सैमसन को बाहर बैठना पड़ सकता है। सैमसन ने इस श्रृंखला में 67, 14, 18 , 4 रन बनाये हैं। टीम प्रबंधन का उन्हें पूरा समर्थन हासिल है लेकिन एक ब्रेक से वह खोई लय हासिल कर सकते हैं। हाल ही में श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम ने वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया, लेकिन खुद श्रेयस का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा और वे लोगों का ध्यान खींचने में नाकाम रहे। अय्यर ने टी20 में पहला शतक जमाने के बाद अगले आठ मैचों में 40, 1, 16, 22, 42, 7, 5, 22 रन बनाये। यहां अच्छी पारी खेलकर वह भी लय हासिल करना चाहेंगे। अय्यर के नाकाम रहने से निचले क्रम में नमन धीर और नीतिश कुमार रेड्डी ने पिछले कुछ मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया। गेंदबाजी में दूसरे और तीसरे टी20 में न्यूजीलैंड को 200 रन से कम पर रोकने के बावजूद भारतीय आक्रमण की कमजोरियां उजागर हुई हैं। भारत अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल पर विकेटों के लिये काफी निर्भर रहा है। चार साल बाद वापसी करने वाले भुवनेश्वर कुमार अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। भुवनेश्वर ने तीन मैचों में एक ही विकेट लिया और उनका इकॉनॉमी रेट 12 के आसपास रहा है। अर्शदीप अकेले भारतीय गेंदबाज हैं जिनका इकॉनॉमी रेट इस श्रृंखला में दस से कम रहा है। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण में धार देने के लिये कुलदीप यादव या वरूण चक्रवर्ती को टीम में लाना होगा जिसके लिये धीर को बाहर रहना पड़ सकता है। तिलक वर्मा और अभिषेक शर्मा को भी बैकअप गेंदबाजों के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है लेकिन उनके महंगे साबित होने का खतरा है। न्यूजीलैंड टीम पांच मैचों की वनडे श्रृंखला से पहले आखिरी मैच जीतकर आत्मविश्वास हासिल करना चाहेगी। अगले साल अफ्रीका में होने वाले आईसीसी विश्व कप से पहले यह वनडे श्रृंखला काफी महत्वपूर्ण है।

टीमें

भारतः श्रेयस अय्यर (कप्तान), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, नमन धीर, तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, प्रिंस यादव, अर्शदीप सिंह, भुवनेश्वर कुमार, मयंक यादव, कुमार कुशाग्र, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव।

न्यूजीलैंडः फिन एलन, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), बेवन जैकब्स, डैरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, डेवोन कॉनवे, मिचेल सैंटनर (कप्तान), माइकल ब्रैसवेल, नाथन स्मिथ, ब्लेयर टिकनर, मैट फिशर, काइल जैमीसन, जैकब डफी, एडम मिल्ने, जोश क्लार्कसन। मैच शुरू होने का समयरू भारतीय समयानुसार दोपहर 12:30 बजे।

कगिसो रबाडा का धमाका: 600 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले पांचवें दक्षिण अफ्रीकी बने, टेस्ट में क्या इतिहास रचा?

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के स्टार तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। वह 600 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले दक्षिण अफ्रीका के पांचवें गेंदबाज बन गए हैं।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ केपटाउन में खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के पांचवें दिन यह मुकाम हासिल किया। इसके साथ ही रबाडा ने टेस्ट क्रिकेट में अपने 350 विकेट भी पूरे कर लिए। रबाडा के नाम अब 260 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कुल 601 विकेट हो गए हैं। दक्षिण अफ्रीका की ओर से सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में शॉन पोलक 823 विकेट के साथ पहले स्थान पर हैं। उनके बाद डेल स्टेन (697), मखाया एनटिनी (661) और एलन डोनाल्ड (602) का नंबर आता है। रबाडा ने ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड को 14 रन के निजी स्कोर पर आउट कर टेस्ट क्रिकेट में 350 विकेट का आंकड़ा छुआ। उन्होंने यह उपलब्धि 75 टेस्ट मैचों में हासिल की। इस मामले में वह मैल्कम मार्शल के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। रिचर्ड हेडली और डेल स्टेन ने 69 टेस्ट मैचों में 350 विकेट पूरे किए थे और इस सूची में संयुक्त रूप से पहले स्थान पर हैं। वहीं, डेनिस लिली ने 70 और ग्लेन मैक्ग्रा ने 74 टेस्ट मैचों में यह उपलब्धि हासिल की थी। गेंदों के लिहाज से रबाडा टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेजी से 350 विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने केवल 13,808 गेंदों में यह आंकड़ा छुआ। इस सूची में डेल स्टेन 14,719 गेंदों के साथ दूसरे, वकार यूनिस 14,905 गेंदों के साथ तीसरे, मैल्कम मार्शल 16,285 गेंदों के साथ चौथे और मिचेल स्टार्क 16,908 गेंदों के साथ पांचवें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे टेस्ट के पांचवें दिन रबाडा ने अपनी घातक गेंदबाजी से मेहमान टीम की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। 288 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शुरुआती 15.3 ओवर में 40 रन तक अपने चार विकेट गंवा दिए।

रबाडा ने अपने शुरुआती ओवर में ही दो बड़े झटके दिए। उन्होंने पहले मैथ्यू रेनशॉ को बिना खाता खोले पवेलियन भेजा और फिर मार्नस लाबुशेन को चार रन के निजी स्कोर पर एलबीडब्ल्यू आउट किया। इसके बाद उन्होंने ट्रेविस हेड को आउट कर अपना 350वां टेस्ट विकेट पूरा किया।

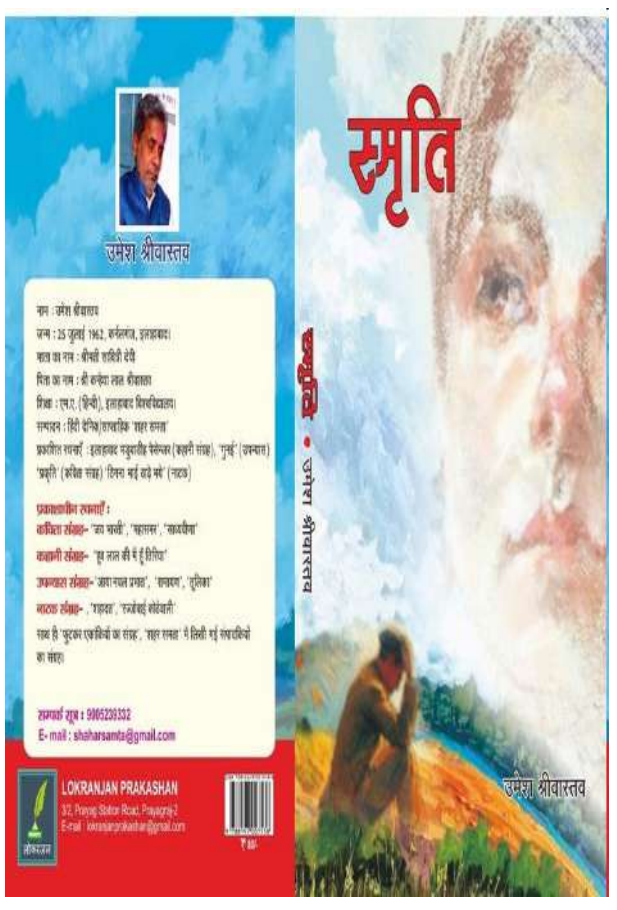

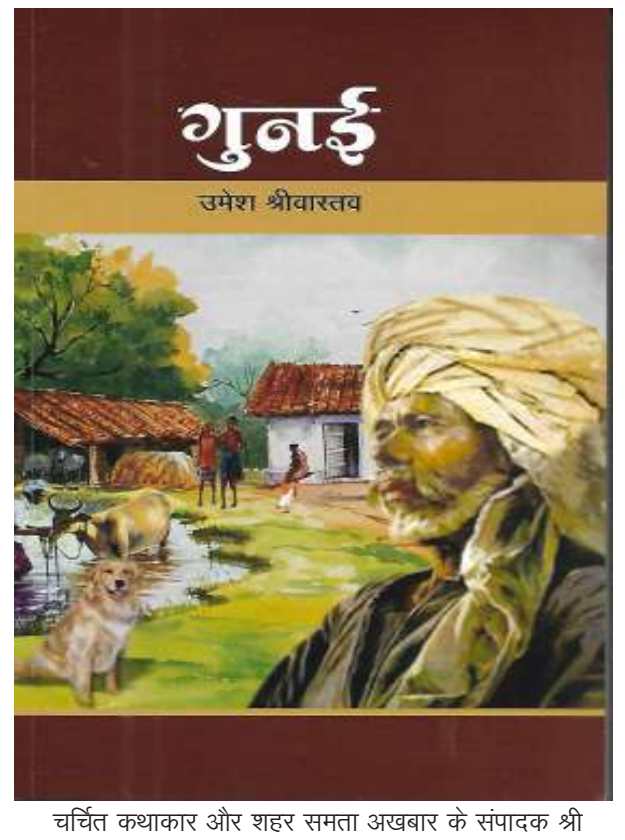

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

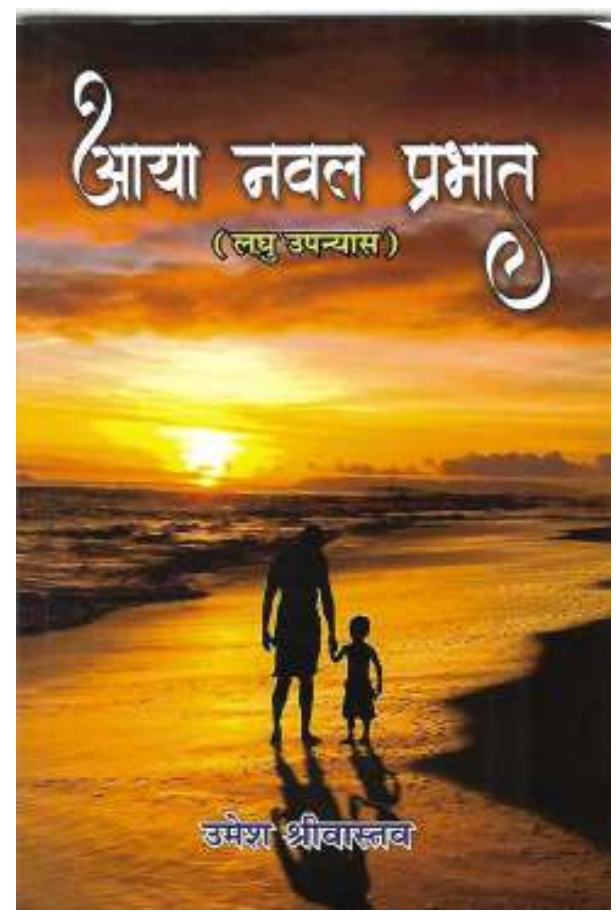

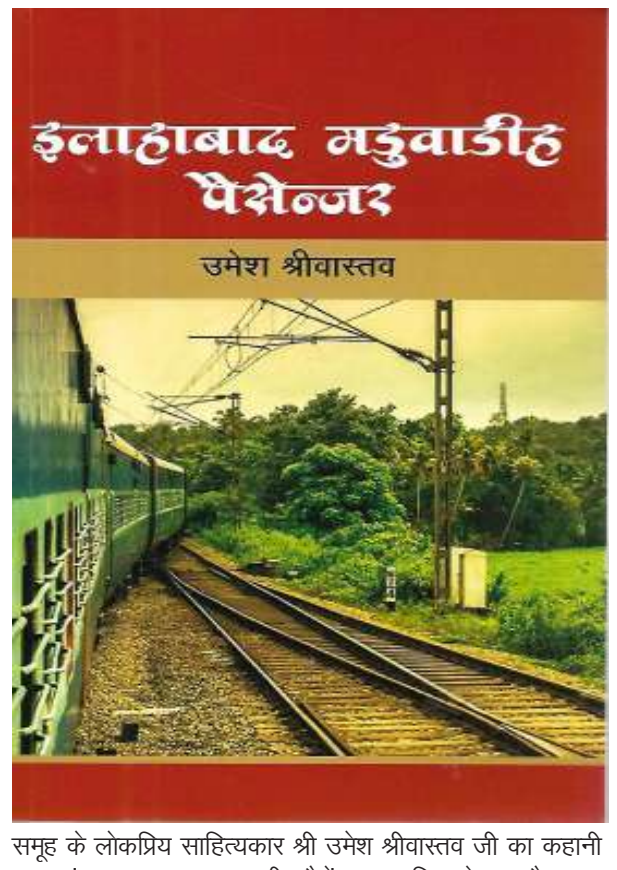

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

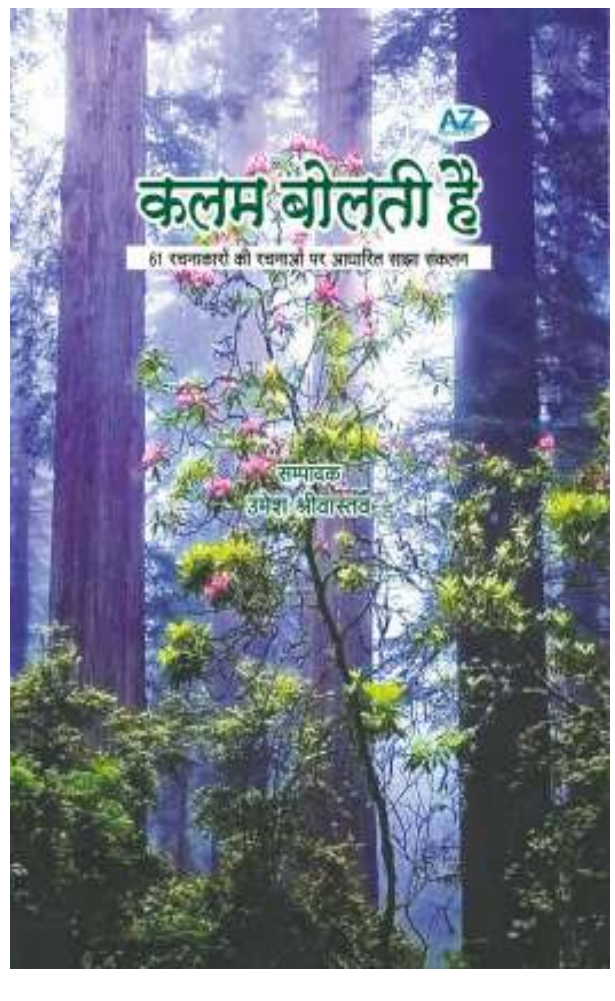

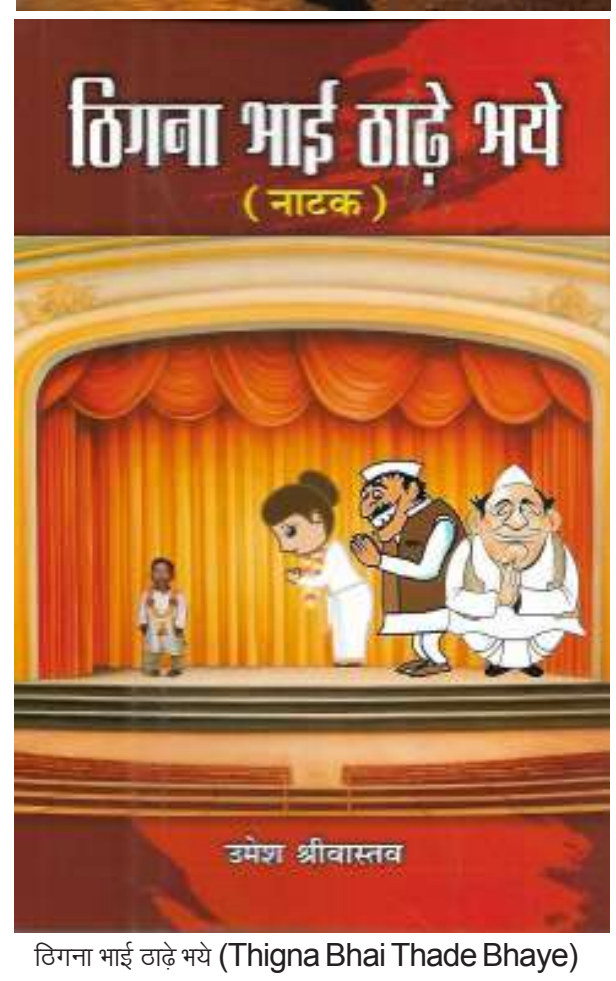

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

'दिल्ली ना ढाका' : बांग्लादेश में फिर गूंजे भारत विरोधी नारे, तारिक रहमान सरकार के खिलाफ सड़कों पर फूटा गुस्सा

दिल्ली या ढाका? ढाका, ढाका। बांग्लादेश में विरोध प्रदर्शनों की वापसी के साथ ही ढाका में एक बार फिर भारत विरोधी नारे गूंज उठे। इस बार यह प्रदर्शन बढ़ती महंगाई, लंबे समय से जारी बिजली संकट और ईंधन व गैस की भारी किल्लत को लेकर प्रधानमंत्री तारिक रहमान के खिलाफ हो रहे हैं। शुक्रवार को, अपनी भारत विरोधी बयानबाजी के लिए पहचाने जाने वाले नेशनल सिटिजन पार्टी (NCP) के संयोजक नाहिद इस्लाम ने ढाका में एक विशाल विरोध रैली निकाली और गृह मंत्री व ऊर्जा मंत्री के इस्तीफे की मांग की। हालाँकि, ढाका में राष्ट्रीय संग्रहालय के सामने आयोजित इस रैली में भारी भीड़ जुटी थी, लेकिन यह केवल घरेलू मुद्दों तक ही सीमित नहीं थी। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में छब्ब नेताओं को षदिल्ली ना ढाकाष का नारा लगाते देखा जा सकता है, जिसके जवाब में रैली में मौजूद हज़ारों लोग ढाका, ढाका के नारे लगा रहे थे। नाहिद इस्लाम और NCP अपनी रैलियों में भारत–विरोधी भावनाएं भड़काने के लिए जाने जाते हैं; ऐसा ही कुछ इस साल की शुरुआत में बांग्लादेश चुनावों से पहले भी देखने को मिला था। इस विरोध प्रदर्शन में कट्टरपंथी छब्ब सांसद हसनात अब्दुल्ला भी शामिल हुए, जिन्होंने पिछले साल भारत के 'सेवन सिस्टर्स' (पूर्वोत्तर राज्यों) को काट देने की धमकी दी थी, जिससे भारत का गुस्सा भड़क गया था।

बांग्लादेश में भारत–विरोधी नारे फिर से सुनाई दिए

नाहिद ने अपने संबोधन में वही पुरानी बात दोहराई कि भारत बांग्लादेश के खिलाफ साजिश रच रहा है। श्प्रोथोम आलोश की एक रिपोर्ट के अनुसार, नाहिद ने कहा, मौजूदा सरकार बांग्लादेश को भारत की साजिशों से नहीं बचा पाएगी। नाहिद, जो जुलाई 2024 के उस आंदोलन के प्रमुख चेहरों में से एक थे जिसके कारण शेख हसीना को सत्ता से हटना पड़ा, उन्होंने सीमा पर कथित हत्याओं का भी जिक्र किया और दावा किया कि असम और पश्चिम बंगाल में मुसलमानों पर अत्याचार हो रहे हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि दिल्ली में मस्जिदों को गिराने की योजनाएं हैं। हालांकि, उन्होंने अपने इन दावों को साबित करने के लिए कोई सबूत या तथ्य पेश नहीं किए। एनसीपी संयोजक ने यह चेतावनी भी दी कि अगर गंगा जल बंटवारा संधि पर निष्पक्ष तरीके से फिर से बातचीत नहीं की गई, तो बांग्लादेश के लोग फिर से सड़कों पर उतर आएंगे। नाहिद ने कहा कि इस बार, हम अपने जायज हिस्से पर एक इंच भी समझौता नहीं करेंगे। भारत और बांग्लादेश के बीच 30 साल पुरानी यह संधि इस साल दिसंबर में खत्म हो रही है। दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों के बीच, यह एक अहम राजनयिक मुद्दा बन गया है। बांग्लादेश के जल संसाधन मंत्री ने 12 दिसंबर तक एक नई संधि को अंतिम रूप देने पर जोर दिया है। यह संधि 1 जनवरी से 31 मई तक के कम पानी वाले मौसम (लीन सीजन) के दौरान, पश्चिम बंगाल के फरक्का बैराज पर गंगा के पानी के बंटवारे को नियंत्रित करती है। गंगा नदी को ढाका में श्पद्माश के नाम से जाना जाता है, जो बांग्लादेश की जीवन रेखा है। देश की लगभग एक–तिहाई आबादी अपनी आजीविका के लिए इसी नदी प्रणाली पर निर्भर है। यही कारण है कि बांग्लादेश के लिए यह संधि इतनी महत्वपूर्ण है।

हसीना के सत्ता से हटने के बाद भारत–विरोधी बयानबाजी

अगस्त 2024 में हसीना के सत्ता से हटने के बाद बांग्लादेश में भारत–विरोधी बयानबाजी लगातार बढ़ी है, और इसी माहौल में नई दिल्ली के खिलाफ नए नारे सामने आए हैं। अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के कार्यकाल के दौरान, यह बयानबाजी कई बार काफी तीखी हो गई। यूनुस के विवादित कार्यकाल में जब बांग्लादेश पाकिस्तान के करीब आ रहा था, तब कई राजनीतिक और छात्र नेताओं ने भारत को निशाना बनाते हुए भड़काऊ बयान दिए। बांग्लादेश चुनावों से पहले, नाहिद ने ष्भारतीय हस्तक्षेपष के खिलाफ देशव्यापी रैलियों का आह्वान किया था, जबकि हसनात अब्दुल्ला ने भारत के सात पूर्वोत्तर राज्यों को अलग–थलग करने और ष्भारत–विरोधी तत्वोंष को पनाह देने की धमकी दी थी। हसनात ने संवेदनशील शसिलीगुड़ी कॉरिडोरश का भी जिक्र किया, जिसे शचिकन्स नेकश (मुर्गे की गर्दन) के नाम से जाना जाता है। यह कॉरिडोर पूर्वोत्तर को भारत के मुख्य भू–भाग से जोड़ता है।

अमेरिका में मध्यावधि चुनाव में भारतीय मूल के वोटरों को रिझाने में जुटे नेता, डोसा और मंदिर बने जरिया

वाशिंगटन। अमेरिका में मध्यावधि चुनाव के मद्देनजर उम्मीदवार भारतीय–अमेरिकी मतदाताओं को लुभाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। कोई भारतीय रेस्तरां में डोसा बनाकर समुदाय से जुड़ने की कोशिश कर रहा है तो कोई मंदिरों में आयोजित धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शिरकत कर समर्थन जुटाने में लगा है। डेमोक्रेटिक उम्मीदवार जेम्स टालारिको ने उपनगर डलास के इरविंग स्थित एक भारतीय रेस्तरां में खुद डोसा बनाया। उन्होंने तवे पर डोसे का घोल फैलाया, उसमें आलू एवं अन्य सब्जियों से बने मसाले डाले तथा तैयार डोसे को केले के पत्ते पर परोसा। उनके इस अंदाज का वहां मौजूद लोगों ने तालियां बजाकर स्वागत किया। टेक्सास में बड़ी संख्या में रहने वाले भारतीय–अमेरिकी समुदाय ने टालारिको की इस पहल का गर्मजोशी से स्वागत किया। टालारिको राज्य की सीनेट सीट के लिए रिपब्लिकन उम्मीदवार केन पैक्सटन को चुनौती दे रहे हैं। व्यवसायी जेम्स ब्लंट ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर टालारिको के इस कदम की सराहना की। उन्होंने कहा कि एक ओर कुछ रिपब्लिकन समर्थक भारतीयों और उनके खानपान को लेकर अपमानजनक टिप्पणियां कर रहे हैं, वहीं टालारिको डोसा बना रहे हैं। ब्लंट ने कहा, ''एक पार्टी विभाजन परोस रही है, जबकि दूसरी भारतीय चावल के क्रेप (डोसा) परोस रही है, जो वाकई बेहद स्वादिष्ट है।'' भारतीय–अमेरिकी आबादी वाले राज्यों में मंदिर भी चुनाव प्रचार और सामुदायिक संपर्क के अहम केंद्र बनकर उभरे हैं। उम्मीदवार मंदिरों में आयोजित धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल होकर समुदाय के बीच अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं। कनेक्टिकट के गवर्नर नेड लैमॉन्ट ने एक और कार्यकाल के लिए चुनाव मैदान में रहते हुए उप विदेश मंत्री जेनिफर बाराहोना के साथ स्टेट कैपिटल में आयोजित दिवाली समारोह में हिस्सा लिया। ओहायो के सांसद ग्रेग लैंड्समैन शेरोनविल स्थित बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर के 11वें पाटोत्सव में शामिल हुए। वहीं, न्यू जर्सी के सीनेटर कोरी बुकर ने अक्षरधाम मंदिर में आयोजित दिवाली समारोह में शिरकत की। कांग्रेस सदस्य रैंडी फाइन और स्कॉट पेरी भी समुदाय से संपर्क साधने के लिए हैरिसबर्ग के एक मंदिर पहुंचे। मिशिगन में सांसद जॉन जेम्स ने एक स्वामीनारायण मंदिर का दौरा कर वहां की परंपराओं और हिंदू–अमेरिकी समुदाय की सेवा भावना के बारे में जानकारी ली। अमेरिका में भारतीय समुदाय की उल्लेखनीय आबादी कैलिफोर्निया, टेक्सास, न्यू जर्सी, न्यूयॉर्क, वाशिंगटन, इलिनॉय, पेंसिल्वेनिया और जॉर्जिया जैसे राज्यों में है।

किंगमेकर मुस्लिमों की निकली हेकड़ी, नेतन्याहू दुश्मन के साथ मिल बनाएंगे सरकार!

इजराइल में 27 अक्टूबर को चुनाव हुए और उसके बाद वहां गिनती भी पूरी हो चुकी है। जैसा कि इजराइल का इतिहास यह बताता है कि आज तक किसी भी पार्टी को आज तक पूर्ण बहुमत नहीं मिला है। ठीक वैसा ही इस बार भी देखने को मिला। ना तो नेतन्याहू वाले गठबंधन को बहुमत तक पहुंच सका और ना ही जो उनके मुख्य विपक्षी थे आइजनकोट उनकी पार्टी या फिर कहें कि उनका संगठन बहुमत तक पहुंच पाया है। सबसे ज्यादा सीटें अगर सिंगल हैंडेडली नेतन्याहू की लिक्विड पार्टी को ही मिली हैं। नेतन्याहू गठबंधन को 53 सीटें मिली हैं। अब इजराइल में सरकार बनाने के लिए 61 सीटें चाहिए क्योंकि इनके संसद में 120 सीटें हैं उसमें से 61 सीटें आपको सरकार बनाने के लिए चाहिए। नेतन्याहू के पास दो विकल्प हैं। या तो वो किसी मुस्लिम पार्टी का साथ लें। मुस्लिमों की भी वहां चार पार्टी हैं। उन चार पार्टियों के गठबंधन को 19 सीटें मिली हैं। 19 सीटों में से भी एक पार्टी को छह सीटें मिली हैं। एक पार्टी एक पार्टी को सात सीटें मिली हैं और एक पार्टी को आपका 12 सीटें मिली हैं। अब जिस पार्टी को छह सीटें मिली हैं, वह पूरी तरीके से फिलिस्तीन समर्थक पार्टी है। जिस पार्टी को 12 सीटें मिली हैं, उस पार्टी के साथ ही नेतन्याहू को जाना पड़ सकता है। हालांकि नेतन्याहू और आइजनक कोर्ट दोनों ही इस बात से इंकार कर चुके हैं कि वो किसी भी मुस्लिम पार्टी के साथ नहीं जाएंगे। अगर वो मुस्लिम पार्टी के साथ जाएंगे तो कहीं ना कहीं फिलिस्तीन वाले मुद्दे पर उन्हें नरमी दिखानी पड़ेगी। ऐसे में दूसरा विकल्प निकल कर सामने आ रहा है। इसकी चर्चा फिलहाल चल रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि यह जो 53 सीटों तक नेतन्याहू का गठबंधन पहुंचा है वह भी मेरी वजह से पहुंचा है। अगर एंड टाइम पर मैं नेतन्याहू का समर्थन नहीं करता। नेतन्याहू के समर्थन में मैं पोस्ट सोशल मीडिया पर नहीं करता तब शायद नेतन्याहू 53 सीटों तक भी नहीं पहुंचते। नेतन्याहू और आइजनककोर्ट दोनों मिलकर सरकार बना सकते हैं। मतलब अगर प्रथम दृष्टा कहें प्राइमरी अगर इस बात को सोचें तो नजर नहीं आता है क्योंकि आइसनकोर्ट ने नेतन्याहू की नीतियों के खिलाफ ही तो चुनाव लड़ा है। मुख्य विपक्ष में अगर कोई चेहरा है तो वो आइजनकोर्ट का ही है। आइजनकोर्ट के बारे में अगर बात करें तो आइजनकोर्ट से पूर्व सेना प्रमुख रह चुके हैं। हालांकि सेना में सर्विस नेतन्याहू भी दिए थे। लेकिन ये सेना प्रमुख के पद से रिटायर हुए थे और उसके बाद ये चुनाव लड़ रहे हैं। फिलहाल इनका जो गठबंधन है वो दूसरा सबसे बड़ा गठबंधन बनकर उभरा है। दोनों की विचारधारा एक ही है कि किस तरीके से फिलिस्तीन ने जो किया है उसका बदला लेना है। दोनों की नीति है कि ईरान ने अगर परमाणु हथियार बना लिया तो वो इजराइल का अस्तित्व तबाह कर देगा खत्म कर देगा। 7 अक्टूबर 2023 को जो कुछ हुआ था वहां उसमें आइज़न कोर्ट का बेटा भी मारा गया था। सबको लेकर नीति रणनीति सेम है। यहां कहा यह भी जा रहा है कि अगर दोनों गठबंधन करते हैं तो दोनों के बीच दो–दो साल का प्रधानमंत्री बनने की रणनीति बन सकती है और मतलब इस अभी तक ये रिपोर्ट्स हैं। इनका कोई पुख्ता खबर नहीं आई है।

तालिबान की महिला शिक्षा पाबंदी पर जाकिर नाइक ने किया बचाव, शुरू हुआ चौतरफा विरोध

फरार भारतीय इस्लामिक उपदेशक जाकिर नाइक को भारतीयों, पाकिस्तानियों और अफगानों की कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने अफगानिस्तान में लड़कियों की शिक्षा पर तालिबान द्वारा लगाई गई पाबंदियों का बचाव किया है। एक वीडियो क्लिप में, नाइक ने दावा किया कि तालिबान ने सुरक्षा चिंताओं और महिला शिक्षकों की कमी के कारण लड़कियों की माध्यमिक और उच्च शिक्षा को केवल कुछ समय के लिए टाल दिया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि अफगान महिलाएं इस्लामिक स्टडीज में मास्टर डिग्री और पीएचडी कर रही हैं। मलेशिया में शरण लेने वाले नाइक की इन टिप्पणियों के बाद भारत, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के पत्रकारों, कार्यकर्ताओं और शिक्षाविदों की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई। उन्होंने नाइक के दावों पर सवाल उठाए और उन पर तालिबान की पाबंदियों का बचाव करने का आरोप लगाया। वीडियो में नाइक ने कहा मीडिया में आने वाली हर बात सच नहीं होती। तालिबान के प्रतिनिधियों से बात करने का दावा करते हुए उन्होंने कहा, इसलिए, अगर कोई सही शिक्षक मिलने तक शिक्षा में देरी करता है, तो इसमें कोई दिक्कत नहीं है। उनकी इन टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए, मलाला यूसुफजई के पिता और ब्रिटेन में रहने वाले पाकिस्तानी कार्यकर्ता जियाउद्दीन यूसुफजई ने नाइक के इस तर्क को बेहद चिंताजनक और निराशाजनक बताया। भारतीय इस्लामिक विद्वान ए. फैजुर रहमान ने मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से सवाल किया कि उन्होंने नाइक को दक्षिण–पूर्व एशियाई देश में रहने की अनुमति क्यों दी है। नाइक 2016 में भारत से चले गए थे। उन पर आरोप था कि उनके भाषणों ने ढाका कैफे हमले में शामिल आतंकवादियों में से एक को प्रेरित किया था। बाद में उन पर धार्मिक नफरत फैलाने, गैर–कानूनी गतिविधियों में शामिल होने और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप लगे, जिनका उन्होंने खंडन किया है। नाइक ने 2017 में मलेशिया में शरण मांगी, जहां उन्हें स्थायी निवास (परमानेंट रेजीडेंसी) मिल गया, जबकि उन्हें भारत वापस लाने की भारत की कोशिशें अब तक नाकाम रही हैं।

तालिबान द्वारा लड़कियों की शिक्षा पर लगाई गई रोक के बारे में जाकिर नाइक ने क्या कहा?

नाइक, जो मनी लॉन्ड्रिंग और लोगों को भड़काने के मामलों में भारतीय एजेंसियों को वांछित (दजमक) है, ने दावा किया कि उसने तालिबान के प्रतिनिधियों के साथ लड़कियों की शिक्षा पर लगी पाबंदियों के बारे में व्यक्तिगत रूप से चर्चा की थी। उसने कहा मैंने उनसे व्यक्तिगत रूप से भी बात की है। आपको यह समझना होगा कि मीडिया में आने वाली हर बात सच नहीं होती। नाइक ने दावा किया कि तालिबान ने लड़कियों को कक्षा 6 तक पढ़ने की अनुमति दी है, और आगे की शिक्षा को इसलिए टाल दिया है क्योंकि माहौल सुरक्षित नहीं है। उसने कहा सिर्फ उच्च शिक्षा को रोका गया है, क्योंकि माहौल सुरक्षित नहीं है; वे सुरक्षा सुनिश्चित होने का इंतजार कर रहे हैं। इस उपदेशक ने यह भी तर्क दिया कि अफगानिस्तान में माध्यमिक शिक्षा के लिए पर्याप्त महिला शिक्षिकाएं नहीं हैं। उसने यह भी दावा किया कि महिलाएं शरिया, अरबी और कुरान के विषयों में उच्च अध्ययन कर सकती हैं, जिसमें मास्टर डिग्री और पीएचडी भी शामिल हैं। उसने कहा, ष्इसलिए यह कहना गलत है कि वहां उच्च शिक्षा की सुविधा नहीं है। यह गलत जानकारी है। हालांकि, उसके दावे संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के निष्कर्षों के विपरीत हैं।

एस. जयशंकर ने कनाडा की विदेश मंत्री अनिता आनंद समेत कई समकक्षों से की चर्चा

वाशिंगटन। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अपनी कनाडाई समकक्ष अनिता आनंद से मुलाकात की और भारत–कनाडा सहयोग में ''निरंतर प्रगति का आकलन किया। जयशंकर ने शुक्रवार को अटलांटा में जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर आनंद से मुलाकात की। जयशंकर ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज कनाडा की विदेश मंत्री अनिता आनंद से मिलकर खुशी हुई। हमने अपने सहयोग में हो रही निरंतर प्रगति का आकलन किया। जयशंकर ने अर्जेंटीना, मेक्सिको, ब्राजील और जर्मनी के विदेश मंत्रियों से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा, अटलांटा में जी20 की बैठक से इतर अर्जेंटीना के विदेश मंत्री पाब्लो क्विरनो से मिलकर खुशी हुई। जयशंकर ने बताया कि क्विरनो के साथ बैठक में व्यापार, महत्वपूर्ण खनिजों, रक्षा एवं परमाणु सहयोग और बहुपक्षीय मुद्दों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि मेक्सिको के विदेश मंत्री रॉबर्टो वेलास्को अल्वारेज के साथ उनकी बैठक का उद्देश्य द्विपक्षीय संबंधों को नई गति देना था। जयशंकर ने कहा, ब्राजील के विदेश मंत्री माउरो विएरा के साथ बैठकर बातचीत करना सुखद रहा। हमारी बातचीत में द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दे शामिल रहे। जयशंकर ने जी20 विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर जर्मनी के विदेश मंत्री योहान वाडेफुल से भी मुलाकात की। उन्होंने कहा, जर्मनी के विदेश मंत्री योहान वाडेफुल से मिलकर अच्छा लगा। मैं हमेशा जर्मनी के विदेश मंत्रालय के साथ अपनी बातचीत को लेकर उत्साहित रहता हूं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

7 दिनों में खुलेगा होर्मुज जलडमरूमध्य, यूरेनियम समझौते पर चीन निभाएगा मध्यस्थ की भूमिका, अमेरिका–ईरान शांति प्रस्ताव के ड्राफ्ट की मुख्य बातें

पश्चिम एशिया (मध्य पूर्व) में बढ़ते सैन्य और आर्थिक तनाव के बीच अमेरिका और ईरान के बीच टकराव को समाप्त करने के लिए एक शुरुआती शांति प्रस्ताव का ड्राफ्ट तैयार किया जा रहा है। इस ड्राफ्ट के तहत तेहरान और वाशिंगटन दोनों ही पक्ष एक रणनीतिक समझौते की ओर कदम बढ़ाते दिख रहे हैं। प्रस्तावित समझौते के अनुसार, ईरान अपने अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम (ष्पहीसल म्दतपबीमक न्तंदपनउ) के भंडार को किसी तीसरे देश में स्थानांतरित कर सकता है या फिर इसके संवर्धन स्तर (म्दतपबीउमदज स्मअमसे) को कम करने पर सहमत हो सकता है। इसके साथ ही, एक अन्य महत्वपूर्ण शर्त यह है कि तेहरान और वाशिंगटन के बीच शुरुआती सहमति बनने के महज सात दिनों के भीतर, ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को अंतरराष्ट्रीय समुद्री यातायात और तेल टैंकरों की आवाजाही के लिए फिर से खोल देगा। अल अरबिया इंग्लिश की एक रिपोर्ट के अनुसार, दोनों देशों के बीच सीधी बातचीत तुर्की के इस्तांबुल के बजाय कतर की राजधानी दोहा में हो सकती है। साथ ही, इस समझौते को लागू करने और इसे बनाए रखने के लिए चीन एक गारंटर (गारंटी देने वाले पक्ष) की भूमिका निभा सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर ईरान अपने संवर्धित यूरेनियम को कहीं और भेजता है और होर्मुज जलडमरूमध्य को खोल देता है, तो इसके बदले में अमेरिका भी ईरान पर लगे प्रतिबंधों, नाकेबंदी और आर्थिक पाबंदियों को कम करने के लिए ठोस कदम उठाएगा। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि समझौते को लागू करने के हर चरण से पहले, एक स्वतंत्र सत्यापन तंत्र यह जांच करेगा कि शर्तों का पालन किया जा रहा है या नहीं। अल अरबिया इंग्लिश की रिपोर्ट के मुताबिक, किसी भी पक्ष को तब तक कोई बड़ी रियायत देने की जरूरत नहीं होगी, जब तक कि उन्हें बदले में ऐसी प्रतिबद्धताएं न मिल जाएं, जिन्हें स्वतंत्र रूप से सत्यापित किया जा सके। रिपोर्ट में आगे कहा गया है, ष्मध्यस्थों और गारंटर पक्षों के साथ एक विवाद–समाधान तंत्र बनाया जाएगा, जो किसी भी तरह की देरी या समझौते के उल्लंघन को सुलझाएगा, ताकि फिर से सैन्य तनाव बढ़ने से रोका जा सके। मिडटर्म चुनावों से पहले ट्रम्प ने ईरान के खिलाफ अपनी नीति का बचाव किया

ईरान का परमाणु कार्यक्रम दोनों पक्षों के बीच सबसे विवादित मुद्दा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल में, अमेरिका का रुख बिल्कुल साफ रहा है तेहरान को परमाणु हथियार हासिल करने की इजाजत नहीं दी जा सकती। हालांकि, ईरान ने बार–बार यह भरोसा दिलाया है कि उसका परमाणु कार्यक्रम केवल नागरिक उपयोग (बपअपसपंद नेम) के लिए है।

ट्रंप ने अब्दुल को वोट देने वालों को पागल बताया, उधर से जवाब भी तगड़ा आया

अमेरिका के मिड टर्म इलेक्शंस के बीच मिशनगन में अमेरिकी सीनेट की रेस इस समय देश की सबसे हॉट और विवादित सियासी जंग बन चुकी है। रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक पार्टी के बीच चल रही इस शह–मात के खेल में अब व्यक्तिगत टिप्पणियों और तीखे तंज का दौर शुरू हो गया है।